जिन्दगी कुछ भी दोहराएगी नहीं जो यादें समेट सको समेट लो.!!

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित | भोपाल, शनिवार 26 अप्रैल 2025 | वर्ष-31 अंक-254 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए | पेज - 6

ब्रीफ न्यूज

पूर्व इसरो चीफ के. कस्तूरीरंगन नहीं रहे

बेंगलुरु। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के पूर्व चीफ डॉ के. कस्तूरीरंगन की शुक्रवार सुबह मौत हो गई। वह 84 साल के थे। अधिकारियों ने बताया कि कस्तूरीरंगन ने बेंगलुरु में अपने घर पर अंतिम सांस ली। 27 अप्रैल को उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट में रखा जाएगा। कस्तूरीरंगन को दो साल पहले दिल का दौरा पड़ा था। उसके बाद से वे बीमार चल रहे थे। कस्तूरीरंगन 1994 से 2003 तक इसरो चीफ थे। उन्हीं के नेतृत्व में इसरो ने चंद्रयान जैसे बड़े मिशनों की योजना बनानी शुरू की थी। वे न्यू एजुकेशन पॉलिसी की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष भी थे। कस्तूरीरंगन ने जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के चांसलर और कर्नाटक नॉलेज कमीशन के अध्यक्ष के रूप में काम किया था। वे 2003 से 2009 तक राज्यसभा के सदस्य थे। वे तत्कालीन भारतीय योजना आयोग के सदस्य के रूप में भी काम कर चुके थे। कस्तूरीरंगन अप्रैल 2004 से 2009 तक बेंगलुरु स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के डायरेक्टर भी थे।

मेधा पाटकर की गिरफ्तारी, फिर रिहा हुईं

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार सुबह नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, कोर्ट ने मेधा पाटकर को प्रोबेशन बॉन्ड पेश करने और मुआवजा राशि जमा करने की शर्त पर दोपहर में रिहा कर दिया। मेधा पाटकर की गिरफ्तारी दिल्ली के निजामुद्दीन से की गई थी। मेधा के खिलाफ कोर्ट ने गैरजमानती वारंट जारी किया था। यह कार्रवाई दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की दायर मानहानि याचिका में की गई है। साकेत कोर्ट ने 23 अप्रैल को मेधा पाटकर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। अदालत ने पाटकर को प्रोबेशन बॉन्ड और एक लाख रुपए का जुर्माना जमा करने का निर्देश दिया था। सुनवाई में पाटकर न तो खुद उपस्थित हुईं और न ही उन्होंने जुर्माना राशि जमा की।

राइस मिल में धमाका, 5 की मौत

बहराइच। बहराइच में राइस मिल में धमाका हो गया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 की हालत गंभीर है। शुक्रवार सुबह जब यह हादसा हुआ, उस समय मिल में 15-17 मजदूर काम कर रहे थे। तभी मिल का ड्रायर फट गया। इसके बाद आग लग गई। थोड़ी देर में मिल में धुआं भर गया। इसके चलते मजदूर बेहोश होकर इधर-उधर गिरने लगे। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने 5 मजदूरों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम मोनिका रानी मौके पर पहुंची हैं। उन्होंने कहा कि राइस मिल में धान सुखाया जा रहा था, तभी हादसा हो गया।

जग्गी ब्रदर्स के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन मामले में जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड के को-फाउंडर पुनीत और अनमोल जग्गी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। इन पर 262 करोड़ रूपए की हेराफेरी का आरोप है। इससे पहले ईडी ने गुरुवार रात कंपनी के दिल्ली, गुरुग्राम और अहमदाबाद स्थित परिसरों पर छापे मारे थे। इस दौरान, दिल्ली के एक होटल से को-फाउंडर पुनीत सिंह जग्गी को हिरासत में लिया और 7 घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी ने ये कार्रवाई सिक्योरिटी एंक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के एक्शन के बाद विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत की। सेबी ने दावा किया था कि जग्गी ब्रदर्स ने इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदने के लिए लोन का गलत इस्तेमाल किया।

सिविल कोर्ट को उड़ाने की धमकी

पटना। पटना सिविल कोर्ट को शुक्रवार सुबह 11 बजकर 46 मिनट पर बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी मेल के जरिए समीर अलबुहारी के नाम से दी गई है। धमकी देने वाले ने शख्स ने लिखा, जज साहब आपकी कोर्ट में आरडीएक्स रखा है, ढाई बजे फटेगा।

अमित शाह का आदेश: पाकिस्तानियों की पहचान कर उन्हें तुरंत वापस भेजें, सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की बात

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इस हमले के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने राज्यों में मौजूद पाकिस्तानियों की पहचान कर उन्हें तुरंत पाकिस्तान वापस भेजें।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात की और उन्हें कहा कि पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने में किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। यह कदम पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किए गए आतंकवादी हमले के बाद उठाया गया है।

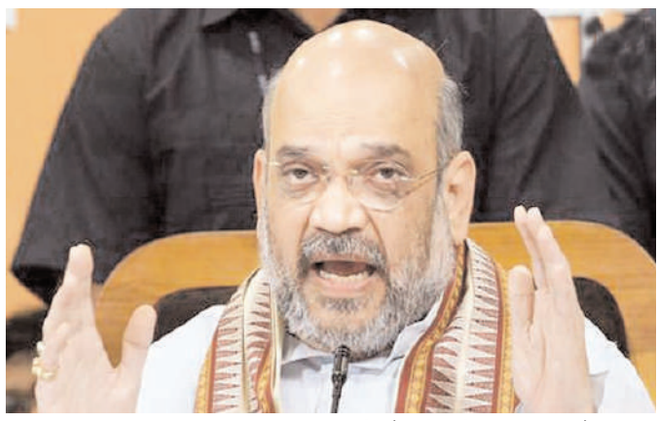

हमले का विवरण और पाकिस्तान से संबंध

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 से ज्यादा पर्यटकों की मौत हो गई। बताया गया है कि इस कायराना कृत्य को करते हुए आतंकियों ने अपने शरीर पर बॉडी कैमरा लगाया हुआ था और पूरी घटना की रिकॉर्डिंग की थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह हमला संगठित था और इसके तार पाकिस्तान से जुड़े थे।

सिंधु जल संधि स्थगित, कड़े कदम उठाए

हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं। सबसे पहला कदम सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया है। इस फैसले का पाकिस्तान पर व्यापक असर होगा, क्योंकि इससे पाकिस्तान के बड़े हिस्से में कृषि के लिए पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। भारत सरकार अब पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए पूरी तरह से तत्पर है, और इस कड़ी कार्रवाई से पाकिस्तान को एक मजबूत संदेश भेजने का प्रयास किया जा रहा है।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति मुर्मू वेटिकन सिटी रवाना

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के साथ पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए वेटिकन सिटी रवाना हुईं। प्रतिनिधिमंडल में अल्पसंख्यक मामलों और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा भी शामिल हैं। पोप फ्रांसिस का 21 अप्रैल को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

पोप फ्रांसिस के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक संदेश में कहा, परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुखी हूं। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। पोप फ्रांसिस को हमेशा दुनिया भर के लाखों लोग करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद करेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई।

मुख्यमंत्री ने आईटी क्षेत्र में कार्यरत उद्योगपतियों से किया वर्चुअली संवाद, कहा

आईटी सेक्टर में मप्र करेगा अपनी विशेष पहचान स्थापित

आईटी पर केन्द्रित होगा प्रदेश का पहला सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान और भविष्य की तकनीक का आधार आईटी है। प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार करते हुए समय के साथ चलने के लिए आईटी सेक्टर में निवेश और गतिविधियों का विस्तार आवश्यक है। इसी उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद पहली सेक्टर आधारित कॉन्क्लेव आईटी पर केन्द्रित की जा रही है। प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों में आईटी इंडस्ट्री का पर्याप्त आधार विद्यमान है। राज्य सरकार आवश्यक सहयोग और समर्थन उपलब्ध कराकर प्रदेश की आईटी इंडस्ट्री को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर तक व्यापक स्वरूप देने की इच्छुक है। इंदौर में 27 अप्रैल को होने वाली टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव इस दिशा में निश्चित ही परिणाममूलक रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में होने वाली आईटी कॉन्क्लेव के संबंध में विभिन्न जिलों के उद्योगपतियों से समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअली संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद में उद्योगपतियों ने आईटी पार्क के विस्तार की आवश्यकता बताई। साथ ही आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों ने दक्ष मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा और औद्योगिक गतिविधियों में समन्वय, स्टार्ट-अप में उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने, प्राकृतिक गैस पर टैक्स कम करने और प्रदेश में स्टार्ट-अप कम्युनिटी के मध्य बेहतर समन्वय संबंधी चर्चा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से संवाद में वॉक-टू-वर्क सुविधा के साथ आईटी पार्क विकसित करने, प्रदेश में डिजिटल इकोनॉमी मिशन लागू करने और एआई आधारित गतिविधियों की अन्य उद्योगों में स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में कार्य करने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

उद्योगपतियों के नवाचार की सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों की पहल और नवाचार की सराहना करते हुए उन्हें गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह संवाद राज्य शासन और आईटी के क्षेत्र में कार्य कर रहे उद्योगपतियों के बीच मजबूत रिश्तों का आधार बनेगा और सबके सहयोग से मध्यप्रदेश आईटी सेक्टर में अपनी विशेष पहचान स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न उद्योगपतियों से संवाद किया। उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उनकी कम्पनियों के कार्यों, निवेश, रोजगार की जानकारी से अवगत कराया। आईटी और संबंधित क्षेत्रों में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाने के संबंध में सुझाव भी दिए।

सेना प्रमुख द्विवेदी श्रीनगर पहुंच एलओसी के मौजूदा हालात की ली जानकारी

श्रीनगर। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को श्रीनगर पहुंचे। यहां सेना के कमांडर्स ने जनरल द्विवेदी को हालात और आतंकियों के खिलाफ सेना द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। सेना प्रमुख को एलओसी के मौजूदा हालात की भी जानकारी दी।

बता दें शुक्रवार सुबह एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से कुछ जगहों गोलीबारी हुई। भारतीय सेना ने इसका जवाब भी दिया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आर्मी चीफ का यह दौरा काफी अहम है। भारतीय सेना प्रमुख यहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को श्रीनगर का यह दौरा कर रहे हैं। इस दौरान वह महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर जाएंगे। आर्मी चीफ की इस विजिट में उन्हें आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी जा रही है।

जम्मू कश्मीर में तैनात भारतीय सेना के टॉप कमांडर्स आर्मी चीफ को सैन्य संरचनाओं की भी जानकारी देंगे। आर्मी चीफ कश्मीर घाटी और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए आतंकवाद विरोधी उपायों की भी जानकारी ले रहे हैं। आर्मी चीफ की इस विजिट के दौरान सेना की 15 कोर के कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के अन्य कमांडर मौजूद थे। सेना प्रमुख अवंतीपोरा में विक्टर फोर्स के मुख्यालय का दौरा करेंगे। यह सेना का एक डिवीजन है जो दक्षिण कश्मीर में ऑपरेशन का प्रभारी है। सेना प्रमुख को मौजूदा ऑपरेशन की स्थिति और निकट भविष्य के लिए तैयार किए जा रहे सुरक्षा तंत्र के बारे में जानकारी दी जाएगी।

पाकिस्तान ने आतंकियों को ट्रेनिंग देने की बात कबूली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने माना है कि उनका देश पिछले 30 साल से आतंकवादियों का समर्थन कर रहा है और उन्हें ट्रेनिंग दे रहा है। उन्होंने कहा कि वे अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए यह 'गंदा काम' कर रहे हैं। ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार को ब्रिटिश अखबार को दिए इंटरव्यू में यह बातें कहीं। ब्रिटिश एंकर यल्दा हकीम ने उनसे सवाल पूछा था कि क्या पाकिस्तान आतंकी गुटों की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है? इस पर उन्होंने कहा कि वैश्विक शक्तियों ने अपने हितों के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया।

ख्वाजा आसिफ ने यह भी माना कि आतंकियों का समर्थन करना या ट्रेनिंग देना बड़ी गलती थी। हम इसकी सजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा- अगर हम सोवियत यूनियन के खिलाफ जंग में शामिल नहीं होते और और 9/11 के हमलों के बाद जो हालात बने, वो न बनते तो पाकिस्तान का रिकॉर्ड बेदाग होता।

पहलगाम मामले को लेकर ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच शुरू हुआ विवाद दोनों देशों के बीच बड़े जंग का रूप ले सकता है।

पाकिस्तान के एयरस्पेस पर रोक से अब वैकल्पिक मार्गों से संचालित होंगी भारतीय एयरलाइंस

नए रूट लंबे होने से परिचालन लागत में होगी वृद्धि, हवाई किराया भी बढ़ेगा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमान कंपनियों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। इसके बाद देश की प्रमुख एयरलाइंस, विशेष रूप से इंडिगो और एयर इंडिया के अधिकारियों ने पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सभी उड़ानों के वैकल्पिक मार्ग तलाशने के लिए आंतरिक बैठक की।

मीडिया रिपोर्ट में एक एयरलाइन के अधिकारी ने बताया कि विशेष रूप से यूरोप और अमेरिका के लिए नए रूट लंबे होंगे जिससे हमारी परिचालन लागत में वृद्धि होगी और हवाई किराया बढ़ जाएगा। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि उत्तर भारत से संयुक्त अरब अमीरात के लिए एयरलाइन की उड़ानें अब वैकल्पिक मार्गों से संचालित होंगी। नतीजतन, इन विमानों में उड़ान के लंबे समय को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त ईंधन रखना होगा। प्रवक्ता ने कहा कि स्पाइसजेट के उड़ान कार्यक्रम पर कोई महत्त्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

एयरलाइन के अधिकारी ने कहा कि पुलवामा हमले के बाद 2019 में भारतीय विमान कंपनियों को करीब पांच महीने तक ऐसी ही स्थिति का सामना किया था। अगर अब भी हवाई क्षेत्र इतने ही समय तक बंद रहता है, तो काफी वित्तीय बोझ पड़ेगा। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तानी रास्ता बंद होने के बाद उसके विमान अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप के अन्य देशों और पश्चिमी एशिया के लिए वैकल्पिक मार्गों से जाएंगे। इंडिगो ने भी कहा कि उसकी कुछ उड़ानें प्रभावित होंगी और यात्री दोबारा टिकट बुक कर सकते हैं।

14 फरवरी, 2019 को हुए पुलवामा आतंकी हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे। जवाबी कार्रवाई में भारतीय वायु सेना ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविरों पर हवाई हमले किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने तुरंत भारतीय विमान कंपनियों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राज्यसभा को बताया था कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण 26 फरवरी से 2 जुलाई, 2019 के बीच भारतीय विमान कंपनियों को 540 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। अकेले एयर इंडिया को 491 करोड़ रुपए की चपत लगी, जबकि निजी एयरलाइंस स्पाइसजेट, इंडिगो और गोएयर को उस दौरान 30.73 करोड़, 25.1 करोड़ और 2.1 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा था।

उस समय एयर इंडिया के एक बयान से हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण एयरलाइन को होने वाले नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता है। उस दौरान 16 जुलाई, 2019 को एयर इंडिया ने एक बयान में बताया था कि पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र को दोबारा खोलने और अमेरिका व यूरोप के लिए वन-वे उड़ानों के लिए उसकी परिचालन लागत में 20 लाख रुपए और 5 लाख रुपए की कमी आने की उम्मीद है।

आंतक रुपी बुराई के अंत के लिए ताकत की जरुरत: भागवत

धर्म पूछकर लोगों की हत्या करते, वे राक्षस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में बड़ा बयान देकर कहा है कि मौजूदा संघर्ष धर्म और अधर्म के बीच है, न केवल किसी संप्रदाय या धर्म के नाम पर। उन्होंने कहा कि जो लोग धर्म पूछकर लोगों की हत्या करते हैं, वे कट्टरपंथी हैं, और ऐसा आचरण राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों हो सकते है। संघ प्रमुख ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की बात कह कर कहा कि अगर हमारे पास शक्ति है, तब दिखानी होगी। आरएसएस चीफ ने कहा, यह लड़ाई संप्रदायों या धर्मों के बीच नहीं है। इसका आधार जरूर धर्म और संप्रदाय है, लेकिन वास्तव में धर्म और अधर्म के बीच की जंग है। उन्होंने कहा, भारतीय सैनिकों या नागरिकों ने कभी किसी की धर्म पूछकर हत्या नहीं की। हिंदू कभी भी धर्म पूछकर हत्या नहीं करते। जो लोग धर्म पूछकर लोगों की हत्या करते हैं, वे कट्टरपंथी हैं, और ऐसा आचरण राक्षसी प्रवृत्ति का परिचायक है। उन्होंने कहा, इस कायरना हमले के बाद हमारे दिल में दर्द है। हम गुस्से में हैं लेकिन बुराई को नष्ट करने के लिए ताकत का इस्तेमाल करना होगा। रावण ने अपना इरादा नहीं बदला तब और कोई विकल्प नहीं था। प्रभु राम ने दुचारी रावण को सुधारने का मौका दिया था और उसके बाद मारा था।''

भागवत ने रावण के प्रसंग का उदाहरण देकर कहा, रावण भगवान शिव का भक्त था, वेद जानता था, लेकिन उसका मन और बुद्धि परिवर्तन को तैयार नहीं थे। इसके बाद राक्षस रावण का अंत प्रभु राम ने किया, क्योंकि परिवर्तन के लिए कभी-कभी विनाश आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों का अंत ही देश और धर्म की रक्षा के लिए जरूरी है। संघ प्रमुख ने कहा, इस हमले के बाद देश के हर नागरिक के मन में दुख और क्रोध होना स्वाभाविक है, क्योंकि राक्षसों के विनाश के लिए परमशक्ति की जरुरत होती है।

कश्मीर में 2 लश्कर आतंकियों के घर में ब्लास्ट

त्राल-अनंतनाग में चल रहा था सेना का सर्च ऑपरेशन, बांदीपोरा में एक आतंकी मारा गया

पहलगाम। कश्मीर में शुक्रवार को पहलगाम हमले से जुड़े लश्कर-ए-तैयबा के 2 आतंकवादियों के घर ब्लास्ट में ढह गए। सेना के सूत्रों ने बताया कि त्राल में सुबह आसिफ शेख और अनंतनाग के बिजबेहरा में आदिल ठोकेर के घर सर्च ऑपरेशन चल रहा था। ऑपरेशन के दौरान दोनों घरों में एक्सप्लोसिव मिले। जवान सेफ्टी के लिए पीछे हटे और इसी दौरान धमाका हो गया। धमाके में दोनों घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं।

उधर, बांदीपोरा में चल रहे एनकाउंटर में एक आतंकवादी मारा गया है। 2 जवान भी घायल हैं। आतंकियों के छिपे होने की सूचना के बाद यहां शुक्रवार सुबह से ही सर्चिंग चल रही थी। पाकिस्तानी सेना ने भी शुक्रवार सुबह लाइन ऑफ कंट्रोल के कई इलाकों में फायरिंग की। भारतीय सेना ने तुरंत इसका जवाब दिया। बता दें कि पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 27 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हैं।

अब अमेरिका के लिए आईफोन बनाएगा भारत

चीन से मैन्यूफैक्चरिंग शिफ्ट कर रही कंपनी, एक साल में भारत ने 22 बिलियन डॉलर के आईफोन बनाए

मुंबई। एपल अगले साल से अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन को भारत में बनाने की प्लानिंग कर रहा है। एपल काफी समय से चीन से निर्भरता कम करने और अपने सप्लाई चेन को वहां से बाहर शिफ्ट करने पर काम कर रही है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने के फैसले और चीन के साथ टैरिफ वॉर के बीच कंपनी ने यह फैसला। फाइनेंशियल टाइम्स ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी। एपल अगर अपनी असेंबलिंग भारत की ओर इस साल के आखिर तक शिफ्ट कर लेती है, तो 2026 तक यहां सालाना 6 करोड़ से ज्यादा आईफोन का प्रोडक्शन होगा, जो मौजूदा कैपेसिटी से दोगुना है। अमेरिका एपल का सबसे महत्वपूर्ण बाजार है। इसके मैन्यूफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अभी चीन का दबदबा है। आईडीसी के अनुसार, 2024 में कंपनी के ग्लोबल आईफोन शिपमेंट में इसका हिस्सा लगभग 28 प्रतिशत था।

» न्यूज कैप्सूल »

रेल मजदूर संघ ने पाटीदार का किया स्वागत, प्रभात को दी विदाई

जबलपुर। पमरे के नए मुख्य कार्मिक अधिकारी एसडी पाटीदार का पुष्पगुच्छ भेंटकर बधाई दी गई7 वहीं पमरे से इसी पद से सूचना प्रसारण मंत्रालय में स्थानातंरित होकर अवर सचिव बने प्रभात को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष एसएन शुक्ला, सयुक्त महामंत्री संदीप श्रोती, महिला उपाध्यक्ष श्रीमति सवीता त्रिपाठी, तरुण वत्रा, धर्मेन्द्र चैधरी, हर्ष वर्मा, अशोक पाठक, भूपत सिंह, संतोष त्रिवेणी अ्जल हासमी, बॉवी धोलपुरे, सुधीर कुमार, मनीष कुमार, अजय तिवारी, संजय चैधरी, सचिन जैन धर्मेन्द्र कुमार, वृंदावन यादव, जयराम सिंह, आशीष मिश्रा विकाश चन्द्र, विजय वर्मा, दुर्गा तिवारी, रंजना आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन धीरज अग्रवाल व आभार सतीश कुमार ने व्यक्त किया।

बिजली कंपनी ने बढ़ाया साढ़े सात गुना टेस्टिंग शुल्क

भोपाल। मप्र में सरकार एक तरफ सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है ताकि लोग अपने घर, ऑफिस आदि पर सोलर पैनल लगाकर बिजली का उत्पादन कर सके। वहीं दूसरी तरफ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम में लगने वाले टेस्टिंग शुल्क में साढ़े सात गुना बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी उपभोक्ताओं के लिए एक चुनौती है, क्योंकि इससे नेट मीटरिंग सिस्टम लगाने की लागत बढ़ जाएगी। दरअसल, नेट मीटरिंग एक ऐसा सिस्टम है जो सोलर पैनल द्वारा उत्पादित बिजली को आपके घर की बिजली की खपत से समायोजित करता है। यदि आपके सोलर पैनल आपके घर की बिजली की खपत से अधिक बिजली पैदा करते हैं, तो अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जाती है और आपको इसके लिए क्रेडिट मिलता है।

अभिनय फोटोग्राफी और पटकथा लेखन प्रशिक्षण शिविर कल से

इन्दौर। संस्कृति विभाग मप्र, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली और कलाव्योम फाउंडेशन, द्वारा कल 27 अप्रैल से अभिनय, फोटोग्राफी और पटकथा लेखन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। 6 मई तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक चंदन कुमार (दुपहिया फेम) प्रशिक्षण देंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को फिल्म इंडस्ट्री में करियर और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

विक्रम अवार्डी सजय सिंह राठौर बने सचिव

इन्दौर। मुख्य आयकर आयुक्त रामकुमार यादव के मार्गदर्शन में आयकर विभाग इंदौर के खेलकूद एवं मनोरंजन क्लब के लिए नवगठित समिति में संयुक्त आयकर आयुक्त विपुल चावड़ा को चेयरमैन और कर सहायक पद पर पदस्थ संजय सिंह राठौर को सचिव बनाया गया है। इनके अलावा ओएस शुभम करोड़े को सह-सचिव, आयकर निरीक्षक हितेश सांखला को कोषाध्यक्ष तथा पांच अन्य सदस्यों को समिति में स्थान दिया गया है। बता दें कि राठौर को वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश सरकार का सर्वोच्च खेल सम्मान विक्रम पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। वे राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 से अधिक पदक जीत चुके हैं। उन्होंने 11 विश्व कप और एक विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

पहलगाम के दिवंगतों को मोमबत्तियाँ जला श्रद्धांजलि अर्पित की

इन्दौर। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक तीन के विधायक गोलू शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित एक श्रद्धांजलि सभा में पहलगाम में आतंकियों द्वारा किए गए कायराना हमले में हुए दिवंगतों को मोमबत्तियाँ जला श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट और आक्रोशित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार पाकिस्तान को इस अमानवीय कृत्य का मुँह-तोड़ जवाब दे रही है। हमारे जवानों ने आतंकियों को पहले भी उनकी भाषा में करारा जवाब दिया है और इस बार भी देंगे। इस दौरान विधानसभा प्रभारी दिनेश वर्मा, दीपेंद्र सोलंकी एक विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों के पार्षदगण, महिला मोर्चा की पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बच्चे के आहार नली में फंसी हरी मिर्च

जोखिम में पड़ी जान ऑपरेशन कर बचाई

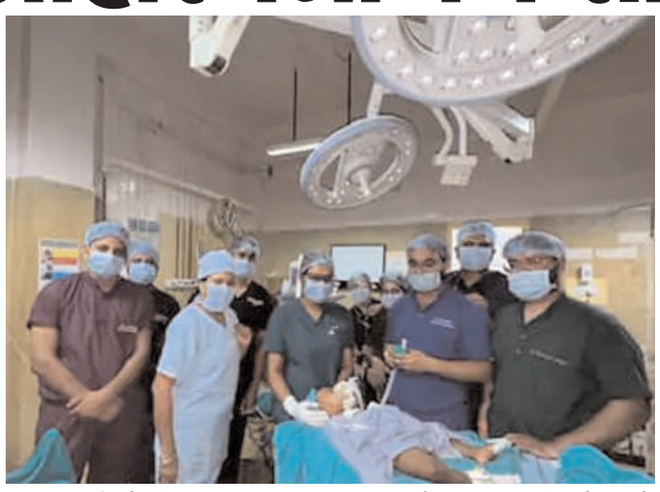

जबलपुर। खेल खेल में बरेला के समीप स्थित एक गांव में रहने वालें 9 माह के मासूम बच्चें ने अनजाने में हरी मिर्च निगल ली7 बच्चा तड़पने लगा और उसने तेज से रोना शुरु कर दिया7 जब वह किसी तरह चुप नहीं हुआ, तो परिजन उसे बरेला स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद भी बच्चे ने रोना बंद नहीं किया, तो उसे नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जहां ऑपरेशन कर बच्चे की आहार नली में फंसी मिर्च डॉक्टरों ने निकाली। अब बच्चा पूर्णत: स्वस्थ्य है7 यहां उल्लेखनिय है कि दो मामलें भी इस तरह के आ चुके हैं, जिसमें एक बच्चे के सीने से की?ा तो दूसरे की आहार नली से चिकन का टुक?ा निकाला जा चुका है। मेडीकल कॉलेज की ईएनटी विभाग की प्रमुख डॉ कविता सचदेवा ने बताया कि बरेला निवासी एक परिवार अपने 9 माह के बच्चें को लेकर अस्पताल आए थे। डॉक्टर को बताया गया कि दोपहर में बच्चा घर के बाहर खेल रहा था तभी उसके हाथ हरी मिर्च लग गई। बच्चे ने मिर्च को मुंह में डाला और निगल गया। जब वह आहार नली में पहुंची तो जलन हुई होगी, जिससे बच्चा रोने लगा। रात में मेडिकल कॉलेज पहुंचे बच्चे को ईएनटी विभाग में ईएनटी एचओडी डॉ. कविता सचदेवा ने देखा। बच्चा लगातार रो रहा था और उसे श्वांस लेने में तकलीफ हो रही थी।

बच्चें के पिता पवन ने बताया कि बरेला के स्वास्थ्य केंद्र में बताया गया कि बच्चे को निमोनिया हो गया, इसके बाद परिजन बच्चे को घर ले गए, पर लगातार रोने के कारण उसे मेडिकल कालेज लेकर आए। जब बच्चे का एक्स-रे किया गया तो आहार नली में मिर्च फंसी हुई नजर आई। ईएनटी विभाग प्रमुख डा. कविता सचदेवा- डॉ. ब्यौहार और अन्य टीम के सदस्यों ने बच्चे का तुरंत आपरेशन करते हुए ब्रोंकोस्कोपी की मदद से हरी मिर्च को बाहर निकाला। डाक्टरों के मुताबिक बच्चा अभी पूरी तरह से स्वस्थ है।

एशिया का सबसे बड़ा मिट्टी का बांध सूखा

छिंदवाड़ा के माचागोरा बांध से पानी देने पर हुआ बवाल, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भोपाल। एशिया के सबसे बड़े मिट्टी के बांध संजय सरोवर भीमगढ़ में पानी खत्म होने का मामला सामने आया है, जिसके बाद सिवनी में पीने के पानी के लिए हाहाकार मचा है। डैम का पानी खत्म होने के बाद छिंदवाड़ा के माचागोरा बांध का पानी सिवनी जिले को दिए जाने के बाद कांग्रेस ने विरोध शुरू कर दिया है। कांग्रेस का कहना है की पहली बार पानी दिया, वह तो ठीक है लेकिन यह परंपरा नहीं बननी चाहिए क्योंकि इससे छिंदवाड़ा जिले का नुकसान होगा।

छिंदवाड़ा में आयोजित कांग्रेस की बैठक में कहा गया कि सिवनी जल संसाधन विभाग की लापरवाही का खामियाजा छिंदवाड़ा की जनता को ना भुगतना पड़े। संजय सरोवर (भीमगढ़ जलाशय) में पानी की कमी बताकर चौरई के माचागोरा डैम से 35 एमसीएम पानी सिवनी जिले के भीमगढ़ जलाशय के लिए छोड़ा जा रहा है। पीने के लिए सिवनी जिले को पानी दिया, किन्तु यह परम्परा ना बनें। सिवनी को लोकल स्तर पर ही पेयजल के स्थाई साधन खोजने पर भाजपा ध्यान लगाए।

उड़द, मसूर की किस्म किसानों के लिये सौगात

कृषि विवि के वैज्ञानिकों ने विकसित की नई किस्में

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में दलहनी फसलों के क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने उड़द की दो नवीन उन्नत किस्मों टीजेयू 339 एवं टीजेयू 130 साथ ही मसूर की जेएलएस 6-2 का सफलतापूर्वक विकास किया है। ये सभी किस्में कम अवधि में पकने वाली, बहुरोगरोधी तथा उच्च उत्पादकतायुक्त किस्में है। उड़द की टीजेएस 339 किस्म की पकने की अवधि मात्र 62-65 दिन है, जबकि टीजेएस 130 किस्म 60-62 दिन में तैयार हो जाती है। ये विशेष रूप से किसानों को अल्प समय में फसल तैयार करने का अवसर प्रदान करती है, जिससे वे एक ही खेत से अधिक फसलें उगा सकते हैं। उड़द की टीजेएस 339 किस्म से 16 से 18 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक उपज प्राप्त हो सकती है, जबकि टीजेएस 130 किस्म 15 से 17 क्विंटल प्रति हैक्टेयर उपज देती है।

उड़द की खेती में पीला मोजेक रोग बहुत बड़ी समस्या मानी जाती है। जनेकृविवि द्वारा विकसित उड़द की दोनों किस्में पीला मोजेक रोक के प्रति सहनशील है इससे किसानों को जहां एक ओर पीला मोजेक रोग को रोकने के लिये रासायनिक दवाओं पर निर्भरता कम होगी, वहीं दूसरी ओर उड़द की खेती की उत्पादन लागत भी कम की जा सकेगी, जिससे फसल की गुणवत्ता और उपज में आशा के अनुकूल सुधार होगें। वर्तमान में उड़द की खेती का क्षेत्र खरीफ मौसम से हटकर जायद मौसम की ओर तेजी से स्थानांतरित हो रहा है। इसका एक प्रमुख कारण है कि खरीफ में अच्छे किस्मों के बीज की कमी महसूस की जा रही थी। ज.ने.कृ.वि.वि. द्वारा विकसित ये सभी किस्में इस कमी को दूर करेंगी एवं उड़द की खेती को खरीफ मौसम में एक नई दिशा प्रदान करेंगी।

किसानों के बीच में मसूर के बड़े दाने की मांग को देखते हुये जनेकृविवि द्वारा जेएलएस 6-2 किस्म का विकास किया गया है, जो उकठा रोग के लिये सहनशील है एवं 20-25 क्विंटल उत्पादकता प्रदान करती है। यह किस्म प्रदेश के खरीफ की धान की फसल के बाद परती क्षेत्रों के लिये अति उपयुक्त है जो कि अक्सर सिंचाई या रबी की उपयुक्त किस्मों के अभाव में परती छूट जाती है। रबी के लिये वर्षा आधारित कृषि, समय या देरी से बुवाई करने के लिये भी यह किस्म अति उपयुक्त है। देर से बोनी करने पर भी इसकी औसत उपज लगभग 16 से 18 क्विंटल/हैक्टेयर प्राप्त की जा सकती है। मसूर की खेती में उगरा रोग बहुत बड़ी समस्या मानी जाती है,जनेकृविवि की जेएलएस 6-2 उगरा रोग के प्रति सहनशील किस्म है। साथ ही इसमें बहुरोगरोधी क्षमता है और यह मसूर के प्रमुख रोगों जैसे गेरूवा और एस्कोकाइटा ब्लाइट के लिये प्रतिरोधी है। इस पर मांहू का प्रभाव भी कम होता है। आशा है कि मसूर की यह नवीन प्रजाति कृषकों के बीच में अपनी अलग पहंचान बनायेगी।

बिना हेलमेट सीट बेल्ट के वाहन चालकों पर कार्रवाई

1585 वाहनों का चालान कर जुर्माना वसूला

जबलपुर। शहर में बिना हैल्मेट, बिना नम्बर, अमानक नम्बर वाले 1585 वाहन चालकों के विरूद्ध पुलिस ने गुरुवार को चालानी कार्रवाई करते हुए सभी से समन शुल्क भी वसूला। जिला पुलिस के अनुसार प्राय: देखा गया है कि, अपराधियों द्वारा बिना नम्बर के वाहन का उपयोग कर वारदात की जाती है। इसके साथ ही कई लोग वाहनों में जानबूझ कर, शौकिया तौर पर नम्बर नहीं डलवाते हैं। जिसे दृष्टिगत रखते हुये तथा जिले में सड़क दुर्घटनाओं एवं सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु/घायल की संख्या को कम करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा समस्त थाना प्रभारी एवं राजपत्रित अधिकारियों को विशेष अभियान के तहत ऐसे दुपहिया वाहन चालक जो हेलमेट धारण कर वाहन चालन नही करते हैं, तथा बिना नम्बर/आड़े तिरछे अमानक नम्बर वाले वाहन चालकों के विरूद्ध कार्रवाई किये जाने हेतु आदेशित किया गया। आदेश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात/अपराध) श्रीमति सोनाली दुबे के मार्ग निर्देशन में समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारी शहर/देहात के द्वारा गुरुवार को चैकिंग प्वाइंट लगाते हुए चैकिंग कराई गई। चैकिंग के दौरान बिना हेलमेट, बिना नम्बर, अमानक नम्बर वाले 1585 वाहन चालकों के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही करते हुये समन शुल्क वसूल किया गया है।

ताला चाबी सुधारने के बहाने लाखों के जेवर किये पार

आलमारी का लाकर बनाने के बहाने चोरों ने की वारदात

जबलपुर। कोतवाली थानांतर्गत दो चालवाजों ने आलमारी का ताला सुधारने के बहाने घर में रखे लाखों रुपये कीमती जेवर व 15 हजार नगदी पार कर दी। पुलिस ने दोनो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस थाना से प्राप्त जानकारी के अनुसार जगदम्बा कालोनी उखरी चेरीताल में 23 अप्रैल को दोपहर 11 बजे पंजाबी से दिखने वाले दो युवक घूम घूमकर आवाज लगा रहे थे घर के ताले चाबी आलमारी के ताले चाबी बनबा लो। इस दौरान जगदम्बा कालोनी श्रीमती सीमा पाल ने उन दोनों व्यक्तियों को कारीगर समझकर रोका और घर की आलमारी के ताले बनवाने लगे। दोनो आरोपियों ने सास, बहू के आलमारी के ताले ठीक करने लगे और बोले कि आलमारी की चाबी बनवानी पड़ेगी एक घंटे बाद आकर चाबी बना देंगे तब तक कोई चाबी नहीं लगाना और बाहर चले गये। सास, बहू ने जब कुछ देर बाद आलमारी खोलने की कोशिश की तो ताला नहीं खुला तो पड़ोसी को बुलाकर आलमारी खुलवाई तो सास, बहू दंग रह गये। आलमारी में रखे सोने के 2 मंगलसूत्र, 1 हार, 1 जोड़ी झुमकी, नगदी 15 हजार रुपये नहीं थे तब उन्हें शंका हुई कि ताला चाबी सुधारने वाले कारीगर नहीं बल्कि चोर थे। पुलिस ने धारा 331 (4), 305 भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया।

सड़कों से हटवाए गए अवैध अतिक्रमण, नगर निगम, पुलिस विभाग की संयुक्त मुहिम

जबलपुर। शहर की यातायात व्यवस्था सुव्यस्थित एवं सुचारू बनाये रखने के उद्देश्य से पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को एसटीएस यातायात मालवीय चौक जबलपुर एवं अतिक्रमण दल नगर-निगम के संयुक्त दल द्वारा उद्घोषणा करते हुए मालवीय चौक, करमचंद चौक, सुपर मार्केट छोटी लाईन फाटक, गोरखपुर बाजार, त्रिपुरी चौक, सदर बाजार, रांझी बाजार, घमापुर चौक आदि क्षेत्र के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान यातायात में बाधक ठेले/टपरे /गुमटियों को मौके से हटवाया एवं यातायात व्यवस्थित कराया गया। संयुक्त टीम के अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

ताकि ब्लैक स्पॉट पर न हों हादसे

इसके अतिरिक्त उप.पुलिस अधीक्षक यातायात गढा बैजनाथ प्रजापति एवं निरीक्षक हरदयाल सिंह द्वारा रमनपुर, सगड़ा अंधमूक आदि ब्लैक स्पॉट के परिषोधन कार्य हेतू एन.एच.ए.आई की टीम के साथ संयुक्त भ्रमण कर वाहन दुर्घटनाओ में कमी लाये जाने के संबंध में आवश्यक सुधार कार्य करने हेतु मौके पर प्रयास किये गये एवं सुधार कार्य के लिए सम्बंधित एजेंसी से कार्य कराने हेतु अवगत कराया गया। इस दौरान यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले वाहन ई-रिक्शा ऑटो, ऑपे चालक परिचालकों हेलमेट, सीटबेल्ट, नो पार्किंग, आम रोड पर खड़े, लाईसेंस न होने एवं अन्य धाराओं में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई है। इस प्रकार गुरुवार को मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं पर कुल 240 चालान कर कुल 99 हजार रुपए समन राशि प्राप्त की गयी।

दुकानदारों को दी गई समझाईश

बताया गया कि पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन में शहर की यातयात व्यवस्था सुव्यवस्थित एवं सुचारू बनाये रखने हेतु पुलिस तथा नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले वाहनों, आम रोड पर किये गये अतिक्रमणों को हटवाते हुये रोड के दोनों ओर खड़े किये गये हाथ ठेले, गुमटियों, सब्जी, फल आदि के ठेलों को हटवाते हुए मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाया जा रहा है। इसके साथ ही व्यापारियों के द्वारा आम रोड तक फैलाई गई सामग्री को अंदर करवाते हुये मार्ग को यातायात के सुचारू संचालन योग्य बनाया जा रहा है। सभी दुकानदारों को समझाईश दी जा रही है कि दुकान के सामने सामग्री न फैला कर रखे तथा न ही हाथ ठेला लगने दिया जावे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात श्रीमती सोनाली दुबे के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक यातायात गढा बैजनाथ प्रजापति की उपस्थिति में थाना प्रभारी यातायात शिवदयाल सनोडिया, हरदयाल, श्रीमती इंदिरा ठाकुर द्वारा हमराह स्टाफ तथा नगर निगम जबलपुर की टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। जिसमें शहर की यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले वाहनों/आम रोड पर किये गये अतिक्रमणों को हटवाया गया।

1 मई से शुरू होगा ई-नगर पालिका वर्जन 2 का संचालन

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', राजस्व प्रभारी डॉ. सुभाष तिवारी एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा करदाताओं की सुविधा के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं इसी क्रम में ई-नगर पालिका वर्जन 2 के संचालन के संबंध में राजस्व विभाग के प्रभारी एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी ने संबंधितों के साथ बैठक की और व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के निर्देश दिये। राजस्व प्रभारी डॉ. सुभाष तिवारी ने बताया कि आगामी लोक अदालत मई में आयोजित की जानी है, नगरीय प्रशासन द्वारा ई-नगर पालिका वर्जन 1 से ई-नगर पालिका वर्जन 2 में डेटा शिफ्टिंग के बाद सभी संभागो को संचालन हेतु ट्रैनिंग उपरांत ट्रियल आई.डी. दे दी गई है। जिसमें आने वाली समस्याओं से टेक्निकल टीम को बताया जाएगा और शासन के नवीन निर्देश अनुसार 1 मई से नगर निगम जबलपुर में ई-नगर पालिका वर्जन 2 में सफलतक़ पूर्वक संचालन किया जायेगा। बैठक में अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह, स्टेट हैड टेक्निकल सपोर्ट सतीश मलीविया, विजय वर्मा एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विलुप्त हो रहा बारिश का अग्रदूत

सोन चिरैया के बाद खरमोर का विलुप्त होना अच्छा संकेत नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश में बारिश का अग्रदूत यानी खरमोर पक्षी विलुप्त होने की कगार पर है। सोन चिरैया के बाद खरमोर यानी फ्लोरिकन बर्ड का गायब होना अच्छा संकेत नहीं है। दरअसल, ये पक्षी हर साल मध्यप्रदेश के धार और रतलाम जिले के जंगलों में देखे जाते थे। लेकिन बीते 5 सालों से इन स्थानों पर एक भी खरमोर दिखाई नहीं दिए। ऐसे में अब सरकार इन्हें बचाने के लिए की तैयारी कर रही है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है, कि खरमोर का अगला प्रवास क्या होगा। लेकिन वन विभाग के अधिकारियों ने इसके लिए कुछ स्थानों का चयन किया है, जहां खरमोर के लिए अनुकूल वातावरण हो।

वैसे तो खरमोर महाराष्ट्र और कश्मीर के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं, लेकिन अब वहां भी इनकी संख्या में तेजी से गिरावट हो रही है। ये पक्षी भले ही कश्मीर और महाराष्ट्र में पाए जाते हों, लेकिन ये प्रजनन काल के दौरान जुलाई से अगस्त तक मध्यप्रदेश, गुजरात और राजस्थान के हिस्सों में पहुंच जाते थे। यही वजह है कि इसे बारिश का अग्रदूत कहा जाता है। ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि इनका दिखना मॉनसून का संकेत भी मान जाता है। मध्यप्रदेश में खरमोर प्रजनन के लिए सैलाना और सरदारपुर अभ्यारण्य में जुलाई महीने में नजर आते थे और यहीं अंडे देते थे। आखिरी बार यहां खरमोर को 5 साल पहले देखा गया था। मध्यप्रदेश में इन पक्षियों के अब नहीं आने का कारण संबंधित क्षेत्रों में पवन चक्कियों का तेजी से विकास भी है।

खरमोर के संरक्षण में क्या दिक्कतें

बता दें कि मध्यप्रदेश में खरमोर विलुप्त हो रहे हैं। लेकिन इनके संरक्षण को लेकर सरकार प्रभावी कदम नहीं उठा पा रही है, इसका एक कारण बजट की कमी है। दरअसल, विलुप्त हो रहे खरमोर के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार ने बीते 5 सालों में 1.72 करोड़ रु की राशि खर्च की है। यानी हर साल 35 लाख रुपये से भी कम की राशि खर्च की गई। हालांकि, अब वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि खरमोर के संरक्षण के लिए बजट में बढ़ोत्तरी का प्रावधान किया गया है।

जगह बदलने की हो रही तैयारी

मध्यप्रदेश के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन शुभरंजन सेन ने बताया कि खरमोर पहले मध्यप्रदेश के सैलाना और सरदारपुर अभ्यारण्य में वर्षाकाल के दौरान आते थे। लेकिन बीते 5 सालों से एक भी खरमोर नहीं देखा गया। अब वन विभाग इनके क्षेत्र को बदलने की तैयारी कर रहा है। इसके पहले वन विभाग के अधिकारियों को महाराष्ट्र और कश्मीर समेत अन्य राज्यों में खरमोर के बारे में स्टडी करने के लिए भेजा जाएगा, जिससे मध्यप्रदेश में इनके संरक्षण की बढि?ा योजना बनाई जा सके। उम्मीद की जा रही है कि सरकार के इस कदम से विलुप्त होते बारिश के अग्रदूत को बचाया जा सकेगा।

» न्यूज कैप्सूल »

घर में चक्कर खाकर गिरी विवाहिता और हो गई मौत

पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतेजार

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना इलाके में स्थित ग्राम चांदपुर में एक विवाहिता अपने घर में अचानक चक्कर आने के बाद गिरकर बेसुध हो गई। परिवार वाले उसे इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से ग्राम धमोदा, जिला विदिशा की रहने वाली शारदा अहिरवार पति दिनेश अहिरवार (25) की शादी करीब सात साल पहले निजी काम करने वाले दिनेश से हुई थी। बुधवार को पति अपने काम पर गया हुआ था। देर शाम करीब 7 बजे शारदा की ननद कांति बाई उसे बेहोशी की हालत में इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंची थी, जहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद शारदा को मृत घोषित करते हुए इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को कांति ने बताया की घर में काम करते समय शारदा अचानक चक्कर आने पर गिरकर बेसुध हो गई थी। मामला नवविवाहिता से जुड़ा होने के कारण जांच के लिये मर्ग डायरी एसडीओपी को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है, कि मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया गया है। वहीं विवाहिता की मौत का सही कारण पीएम रिपोर्ट आने पर ही साफ हो सकेगा, जिसके आधार पर ही आगे की कार्यवाही की दिशा तय की जायेगी।

संत शिरोमणी सेन महाराज की जयन्ती पर विधायक सबनानी, महापौर व निगम अध्यक्ष ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए

भोपाल। संत शिरोमणी सेन महाराज की जयन्ती के अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी आदि ने सेन महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने शुक्रवार को पी.एण्ड.टी चैराहा स्थित सेन महाराज की प्रतिमा पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर पूर्व मंत्री पी.सी.शर्मा, महापौर परिषद के सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, महापौर परिषद के सदस्य जगदीश यादव, जोन अध्यक्ष श्रीमती आरती अनेजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

एल आई सी ओबीसी कर्मचारी का वार्षिक सम्मेलन

भोपाल। राजधानी भोपाल में 27 04 2025 को ऑल इंडिया एल आई सी एम्पलाइज ओबीसी वेलफेयर एसोसिएशन मध्य क्षेत्र की कार्यकारिणी की बैठक एवं भोपाल मंडल की प्रथम वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक 27.4.2025 दिन रविवार को होटल सिग्नेटिक ब्लू एमपी नगर जोन 2 भोपाल में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृष्णा गौर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग मध्य प्रदेश शासन होगी द्य विशिष्ट अतिथि योगेंद्र चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष ऑल इंडिया एल आई सी ओबीसी एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन एवं संजीव कुमार प्रादेशिक प्रबंधक सीसी मध्य क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल होंगेद्य मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश गावंडे ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में सभी सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति की अपील की गई है। भोपाल मंडल के इस प्रथम आयोजन को लेकर समस्त पिछड़ा वर्ग कर्मचारी और अधिकारियों में जबरदस्त उत्साह है ,इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के अधिकारी एवं कर्मचारी और ओबीसी वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारी भी सम्मिलित हो रहे हैं।

निगम अमले ने की अवैध निर्माणों को तोड़ने एवं अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के अनेक क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से बनें चबूतरे, बाथरूम, स्लेब, टपरे आदि तोड़ने की कार्यवाही की।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर के राजधानी में विरोध प्रदर्शन जारी

आज आधे दिन बंद रहेगा भोपाल

मुस्लिम समाज ने काली पट्टी बांधकर आतंकवाद का पुतला जलाया

कही पाकिस्तान से बदला लेने की मांग

भोपाल। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 27 पर्यटकों की मौत के बाद देशभर में आक्रोश फैला हुआ है। हैवानियत भरी इस कायराना हरकत की निंदा और विरोध करते हुए भोपाल में कई जगह प्रदर्शन किया गया। हमले को लेकर मुस्लिम समाज में भी गुस्सा फैला हुआ है, और मुस्लिम युवाओ सहित बच्चो और महिलॉओ द्वारा सड़को पर लगातार विरोध प्रदर्शन किये जा रहे है। शहर के इमामी गेट पर शुक्रवार को मुस्लिम समाज द्वारा काली पट्टी बांधकर आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए आतंकवाद का पुतला जलाया। इस दौरान मुस्तकीम कुरैशी ने कहा, कश्मीर की इंसानियत का कत्ल है। प्रधानमंत्री से हम यह कहना चाहते हैं, कि पाकिस्तान की बॉर्डर खोल दो और हिंदुस्तान के मुसलमान को बॉर्डर पर छोड़ दो, हम अपराधियो को पाकिस्तान में घुसकर खुद ही सजा देगें। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद किसी धर्म या देश का प्रतिनिधित्व नहीं करता और इसके अपराधियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि, काली पट्टी बांधकर हम यह संदेश दे रहे हैं कि हम आतंकवाद की घटना के खिलाफ हैं। पहलगाम में हुई घटना को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आतंकवादियों को पकड़कर फांसी दी जानी चाहिए। हमले को लेकर मुस्लिम धर्म गुरु मौलाना सैय्यद अनस अली ने कहा की कुरान में अल्लाह फरमाता है कि जिसने एक इंसान का कत्ल किया उसने पूरी इंसानियत का कत्ल् किया। हमारे भारतीयों का खून बहाया गया है, यह दुख और शर्म की बात है। धर्म का नाम बदनाम किया जा रहा है। हम पाकिस्तान और आतंकवाद से बदला लेना चाहते हैं। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने भी हिस्सा लेते लिया। विरोध स्वरुप महिलाओ में काले कपड़े पहने वहीं बच्चे हाथो में काली पट्टी बांधकर पाकिस्तान के खिलाफ नारे लिखे बैनर थामे हुए थे। महिलाओं ने कहा कि हम अपने बच्चों को सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं, लेकिन पाकिस्तानी आतंकवाद हमारी शांति को खत्म कर रहा है। प्रदर्शन में शामिल समाजसेवी अनवर पठान ने कहा, यह हमला न सिर्फ कश्मीर पर, बल्कि पूरे भारत पर हमला है। हम सरकार से मांग करते हैं कि वह जल्द से जल्द इस मामले में कड़ी कार्रवाई करे। पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित इस आतंकवाद को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

विरोध में आज आधे दिन बंद रहेगा भोपाल

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) ने बंद के आह्वान पर 26 अप्रैल को भोपाल आधे दिन बंद रहेगा। इस फैसले का शहर के व्यापारिक संगठनों ने समर्थन किया है। सभी व्यापारिक संगठनों से सहमति के बाद शनिवार को आधे दिन राजधानी के बाजार बंद रखने का निर्णय लिया गया है। न्यू मार्केट व्यापारी संरक्षण समिति ने बंद के आह्वान का समर्थन किया है। पुराने भोपाल के कारोबारियों ने भी बंद का समर्थन करते हुए दुकानें आधे दिन तक बंद रखने का निर्णय लिया है। बंद के दौरान इमरजेंसी सेवा यानी, थोक दवा बाजार और मेडिकल स्टोर्स खुले रखे जाएंगे। इस दौरान शनिवार दोपहर 12 बजे व्यापारी मृतकों को श्रद्धांजलि देंगे।

मंदसौर में 3 मई को होगी एग्रीकल्चर कॉन्क्लेव: कृषि मंत्री कंषाना

किसानों की आय बड़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि आगामी 3 मई को मंदसौर में एग्रीकल्चर कॉन्क्लेव आयोजित की जायेगी। मालवांचल सहित प्रदेश में कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। सरकार द्वारा उन्नत फसलों और पशुपालन से किसानों की आय बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। राज्य सरकार किसानों को सोलर पंप प्रदान कर बिजली के बिल के बोझ से मुक्त करने के लिए भी कार्य कर रही है। किसान, खेती की नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें और नवाचारों से प्रेरणा लें। इस उद्देश्य से कृषि पर केन्द्रित कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही है।

मंत्री कंषाना ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बड़ाने, खेती को लाभकारी बनाने की दिशा में हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश का किसान सम्पन्न होगा तो प्रदेश और देश भी समृद्ध होगा। राज्य सरकार युवा, महिला और किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। एग्रीकल्चर कॉन्क्लेव में आधुनिक कृषि तकनीकों व उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कृषि के साथ खाद्य प्र-संस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित जानकारी मिलेगी।

कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य के सभी संभागों में किसान मेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इन मेलों का उद्देश्य किसानों को कृषि, खाद्य प्र-संस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित नवीनतम जानकारी और तकनीक से अवगत कराना है। साथ ही उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। राज्य सरकार ने अगले तीन साल में प्रत्येक साल में 10 लाख सोलर पंप लगाने का लक्ष्य रखा है, जिससे किसानों को ऊर्जादाता बनने में मदद मिलेगी। सरकार ने इसके लिए अभियान शुरू कर दिया है और किसानों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

मंत्री कंषाना ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत ञ्च2047 के विजन के अनुरूप राज्य सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता किसान और नारी कल्याण के लिए मिशन शुरू कर दिया है। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन को सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई है। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन में अब कृषि से जुड़े विभागों की योजनाएं एक मंच पर समन्वित रूप से क्रियान्वित होंगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि आधारित राज्य है और इस क्षेत्र में यहां अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आय, कृषि उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन में वृद्धि के साथ खाद्य प्र-संस्करण और कृषि से उत्पादित कच्चे माल पर आधारित औद्योगिक इकाई स्थापित करने जैसे हरसंभव प्रयास जारी हैं। किसानों और गौ-पालकों की आय बढ़ाने के साथ कुपोषण दूर करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से पूरी ऊर्जा के साथ कार्य कर रही है।

ऊर्जा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को हुडको का राष्ट्रीय सम्मान

भोपाल। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिये हाउसिंग एंड अर्बन डवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (HUDCO)द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। हुडकोने अपने 55 वें स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व क्षेत्र कंपनी की योजनाओं की प्रशंसा करते हुये यह अवॉर्ड प्रदान किया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह अवॉर्ड मिलने पर बधाई देते हुए कम्पनी के अधिकारी-कर्मचारियों के कार्य की प्रशंसा की है।

हुडको के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ ने अपने वक्तव्य में कहा कि पूर्व क्षेत्र कंपनी द्वारा विद्युत अधोसंरचना के निर्माण में सक्रिय योगदान दिया है। सम्मान समारोह का आयोजन स्टेन ऑडिटोरियम, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में किया गया। यहाँ पर ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों को भी आमंत्रित किया गया था। पूर्व क्षेत्र कंपनी के प्रबंध संचालक अनय द्विवेदी की ओर से संजय भागवतकर मुख्य महाप्रबंधक ने यह अवॉर्ड प्राप्त किया।

एम.पी. ट्रांसको का एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के समीप बने घातक अनाधिकृत निर्माणों को हटाने का अभियान जारी

नारियलखेड़ा में 4 खतरनाक निर्माण हटाकर मानव जीवन को किया गया सुरक्षित

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) द्वारा भोपाल में एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के समीप निर्धारित सुरक्षा मापदंडों की अवहेलना कर किए गए, मानव जीवन के लिए घातक अनाधिकृत निर्माणों को हटाने का अभियान निरंतर जारी है। विगत दिवस हुई दुर्घटना के बाद नारियलखेड़ा क्षेत्र में 2 रहवासी मकानों को हटाने के बाद, अब इसी क्षेत्र में 4 और अनाधिकृत निर्माणों को विधिवत कार्रवाई करते हुए ध्वस्त कर दिया गया। ये निर्माण शारदा नगर क्षेत्र में 132 के.व्ही. भोपाल-लालघाटी एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के निकट इंडक्शन ज़ोन की परिधि में किए गए थे।

चार निर्माण हटाए गए

एम.पी. ट्रांसको भोपाल के कार्यपालन अभियंता रविशंकर ने बताया कि नारियलखेड़ा , शारदा नगर, गली नंबर 13 में कुछ रहवासियों द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर अनाधिकृत निर्माण किए गए थे। पूर्व में नोटिस दिए जाने के बावजूद जब इन निर्माणों को मकान मालिकों द्वारा नहीं हटाया गया, तब एम.पी. ट्रांसको ने विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए इन्हें ध्वस्त कर दिया। यह कदम संभावित विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका को समाप्त करने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये उठाया गया।

अभियान जारी रहेगा

कार्यपालन अभियंता रविशंकर ने बताया कि भोपाल में एक्स्ट्रा हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के समीप बने सभी ऐसे अनाधिकृत और घातक निर्माणों को चिन्हित कर उन्हें हटाया जा रहा है। इससे इन लाइनों के संपर्क या इंडक्शन ज़ोन में आने से होने वाली दुर्घटनाओं की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

मंडला का नारायणगंज-समग्र विकास का आदर्श मॉडल

नीति आयोग ने की सराहना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंडला जिले का नारायणगंज विकासखंड जमीनी स्तर पर समावेशी और परिणाम आधारित विकास का प्रतीक बनकर उभरा है। समग्र विकास के प्रमुख मानकों पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए नारायणगंज ने राष्ट्रीय स्तर पर एक करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि अर्जित की है। यह स्थानीय शासन की सक्रियता, समुदाय की भागीदारी और सटीक कार्यान्वयन का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि नीति आयोग ने नारायणगंज के इस नवाचार, समर्पण और समन्वय को विशेष रूप से सराहते हुए इसे सामूहिक उत्तरदायित्व और सुशासन का एक आदर्श उदाहरण बताया है।

नारायणगंज की उपलब्धि के मूल में मातृ-शिशु स्वास्थ्य, बाल विकास, शिक्षा और कृषक कल्याण जैसे क्षेत्रों में किया गया निरंतर प्रयास रहा है। विकासखंड स्तर पर 98.66 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का शीघ्र एएनसी पंजीकरण सुनिश्चित किया गया। इससे सुरक्षित गर्भावस्था और नवजात स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिली। बच्चों के पोषण और प्रारंभिक विकास को सशक्त बनाने की दिशा में आंगनवाड़ी केंद्रों पर 98.48 प्रतिशत बच्चों का नियमित विकास मापन किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में भी नारायणगंज ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए उच्च प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक छात्रों के 100 प्रतिशत स्थानांतरण को संभव बनाया गया। किसान हितैषी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर 99.74 प्रतिशत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (क्करूत्र्यद्बह्य) के लाभार्थियों की भूमि जानकारी सत्यापित कर आधार इनेबल्ड भुगतान प्रणाली से जोड़ा गया है। इससे पारदर्शिता और सटीकता दोनों सुनिश्चित हुई हैं।

नीति आयोग ने कहा है कि यह सफलता दर्शाती है कि जब नीतियाँ समुदाय की वास्तविक ज़रूरतों से जुड़ती हैं, तो परिवर्तन न केवल संभव होता है, बल्कि स्थायी भी बनता है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस ने 40 दिनी कैम्पेन कैलेंडर बनाया, ग्वालियर से संविधान बचाओ रैली से होगी शुरुआत

भोपाल,। चुनावों में लगातार मिल रही हार के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस ने अपने संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी कड़ी में पार्टी ने 40 दिन का एक विशेष कैम्पेन कैलेंडर तैयार किया है, जिसकी शुरुआत 28 अप्रैल को ग्वालियर में संविधान बचाओ रैली से होगी। इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और जयराम रमेश जैसे राष्ट्रीय नेता शामिल हो सकते हैं। यहां बताते चलें कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 9 अप्रैल को अहमदाबाद अधिवेशन के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस को कैडर ट्रेनिंग के लिए गाइडलाइन भेजी थी। इसके तहत जिलाध्यक्षों और कार्यकर्ताओं को वैचारिक और संगठनात्मक रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण सत्र वर्चुअल या व्यक्तिगत रूप से आयोजित किए जा सकते हैं।

राजधानी में रिश्ते हुए शर्मसार

हैवान बने बेटे ने वृद्व मॉ के साथ चप्पल से की मारपीट, बहु ने बीमार ससूर को धक्का दिया

भोपाल। शहर के बैरागढ़ थाना क्षेत्र में रिश्तो को शर्मसार करने वाली घटना प्रकाश में आई है। यहॉ एक रिटायर्ड महिला अधिकारी के साथ उसके बेटे ने चप्पल से मारपीट की। इतना ही नहीं आरोपी बेटे की पत्नि भी उन्हें मानसिक और शारीरिक रुप से प्रताड़ित करती है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी बेटा-बहू के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस के अनुसार सीआरपी कॉलोनी में रहने वाली उषा शर्मा पति महेश चंद्र शर्मा (69) तकनीकी शिक्षा रोजगार संचार न्यायालय से रिटायर्ड हैं। उनके पति महेश चंद्र शर्मा ब्रेन हेमरेज के मरीज है। जिस कारण उनके शरीर के कुछ हिस्से काम नहीं करते हैं। उषा शर्मा ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि उनका बेटा कपिल शर्मा और बहू रेणु उर्फ रुपाली शर्मा उन्हें काफी प्रताड़ित करते है। उन्होनें बेटे कपिल शर्मा को कार दिलाई थी। बेटे ने यह कार माता-पिता को बिना बताये ही अपने दोस्त अजय वासवानी को बेच दी। अजय वासवानी ने उस कार पर एक बैंक से लोन ले लिया। जब उसने लोन की किस्त नहीं चुकाई तब बैंक वाले उषा शर्मा के पास पहुचें। इसके बाद उन्हें कार बेचने और उस पर लोन लिये जाने की जानकारी लगी। जब इस संबध में उन्होनें बेटे से बातचीत की तब बहू बेटा उनसे विवाद करने लगे। आरोप है कि झगड़े के दौरान आरोपी बेटे कपिल ने जहॉ उन्हें चप्पल से पीटा वहीं उनकी बहू रेणु ने दिव्यांग ससुर को धक्का देकर गिरा दिया। बाद में उन्होनें सारी बात अपनी विवाहित बेटी को बताई। जिसके बाद मामला थाने पहुंच गया। मामला कायम कर पुलिस आगे की कार्यवाही में जुटी है।

तीन युवतियो से दुष्कर्म का मामला, एसआईटी करेगी तीनों केसो की जांच

एक ही कॉलेज में पढने के दौरान हुई थी दोस्ती

पहले एक आरोपी ने दुष्कर्म कर वीडियो बनाया

बाद में बदनाम करने की धमकी देकर पीड़िता की अन्य सहेलियों से अपने दो दोस्तो से कराई दोस्ती

दोनो ने भी युवतियो से पहली बार मिलने पर ही रेप कर बनाया वीडियो, रकम भी ऐंठी

भोपाल। राजधानी भोपाल के टीआईटी कॉलेज के पास आउट छात्रों के एक ग्रुप द्वारा कई युवतियों को अपने जाल में फंसाकर उनके साथ दुष्कर्म किये जाने की सनसनीखेज घटना प्रकाश में आई है। आरोपी पहले दोस्ती करके युवती को फंसाते थे। फिर उनके साथ शारीरिक संबध बनाते हुए वीडियो बना लेते और इसके बाद उनकी सहेलियों से दोस्ती कराने के लिए मजबूर करते थे। बताया गया है की मामले में साहस कर तीन युवतियां सामने आई जो उसी कॉलेज में पढ़ती थी। तीनो पीड़िताए बागसेवनिया थाना पहुंची जहॉ शिकायत मिलने पर पुलिस ने जीरो पर मामला दर्ज किया था। वहां से केस डायरी जहांगीराबाद, ऐशबाग और अशोका गार्डन थाना पुलिस को भेजी गई। सूत्रो के मुताबिक आरोप है की फरहान खान, साहिल खान और अली खान नाम के आरोपियों ने नाम बदलकर इन छात्राओं से दोस्ती की। इसके बाद उन्हें मिलने बुलाकर अलग-अलग जगहों पर ले जाकर ज्यादती की। इतना ही नहीं आरोपियों ने लड़कियों के अश्लील वीडियो बना लिए थे। बाद में इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर कई बार उनका दैहिक शोषण करते हुए हजारों रुपए भी ऐंठ लिए। आरोपियों की डिमांड लगातार बढ़ने पर परेशान होकर एक युवती बागसेवनिया थाने पहुंची और एक आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पीड़ित युवती ने पुलिस को बताया कि उसकी दो अन्य सहेलियों के साथ भी इसी तरह से अन्य आरोपियो ने दुष्कर्म किया है। उसकी बात सुनकर पुलिस सकते में आ गई और पुलिस ने इन दोनों युवतियों से संपर्क कर उनकी काउंसलिंग कराई। दोनों युवतियों ने जहांगीराबाद और अशोका गार्डन इलाके में आरोपियो द्वारा ज्यादती किये जाने का खुलासा किया। इसके बाद पुलिस ने जीरो पर कायमी कर केस डायरी को अशोका गार्डन और जहांगीराबाद थाने को भेज दी। मामले में पुलिस ने आरोपी फरहान और साहिल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अली खान की तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक बागसेवनिया पुलिस ने 18 अप्रैल को प्रकरण दर्ज किया था। लेकिन पुलिस द्वारा प्रकरण पर कई दिनो तक चुप्पी साधी रही। तीनों पीड़िताओं ने अपनी शिकायत में आरोप लगया है की आरोपी उन पर धर्म बदलकर शादी करने का दबाव बनाते थे। और बात नहीं मानने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी जाती थी। तीनों छात्राओ और आरोपियों के बीच दो साल से संबध थे। तीनों पीड़िता ग्रेजुएशन कर रही हैं। तीनों आरोपी भी एक ही कॉलेज से एमबीए की पड़ाई कर रहे हैं। एक छात्रा के साथ जब पहली बार ज्यादती हुई, तब वह नाबालिग थी। बताया जा रहा है, कि फरहान ने सबसे पहले बागसेवनिया में रहने वाली एक छात्रा से अपनी पहचान छिपाते हुए दोस्ती की। और उसके साथ पहली बार संबंध बनाने के बाद उसने लड़की का वीडियो बना लिया।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में केंद्र सरकार के सारे दावे हवा हवाई

जम्मू कश्मीर को लेकर केंद्र सरकार द्वारा विगत वर्षों में बड़े-बड़े दावे किए गए हैं। 370 की समाप्ति के बाद केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में सामान्य हालात बताए जाने के दावे बार-बार किए गए हैं लेकिन कड़वी सच्चाई यह है, कि केंद्र सरकार जब-जब जो-जो दावे करती है वह सब हवा-हवाई साबित होते हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने एक बार फिर केंद्र सरकार के दावों की पोल खोल दी है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया गया था। केंद्र सरकार ने नए जम्मू कश्मीर का सपना दिखाया था। केंद्र सरकार ने वादा किया था, धारा 370 खत्म होने के बाद जम्मू कश्मीर में निवेश की बाढ़ आ जाएगी। बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचों का विकास होगा। हसीन वादियों में देश और दुनिया के पर्यटक बड़ी मात्रा में जम्मू-कश्मीर आएंगे। जम्मू-कश्मीर भारत की मुख्य धारा में शामिल हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है, कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में सड़क राजमार्ग सुरंग तथा रेल सुविधा से जोड़ने के लिए सरकार ने काम किया है। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर को तीन भागों में विभाजित कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। तीन पूर्व मुख्यमंत्री को लंबे समय तक जेल में बंद अथवा नजरबंद करके रखा गया। जम्मू कश्मीर में कई महीने तक स्कूल कॉलेज बंद रहे। बार-बार इंटरनेट बंद होता रहा। इसके बाद भी जम्मू कश्मीर के हालातो में कोई बहुत ज्यादा सुधार देखने को नहीं मिला। धारा 370 हटाने के बाद लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हुए, अलगाववादी संगठनों ने भी चुनाव में भाग लिया। मतदाताओं ने भी चुनाव में खुलकर हिस्सा लिया। उमर अब्दुल्ला निर्वाचित जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके पास कोई अधिकार नहीं हैं। जब राज्य सरकार के पास कोई अधिकार ही नहीं है, ऐसी स्थिति में उन्हें किसी भी काम के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। जम्मू कश्मीर की कानून व्यवस्था और प्रशासन पूरी तरह से केंद्र सरकार के प्राधिकारी के रूप में उपराज्यपाल के पास है। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का वादा किया था जिसे केंद्र सरकार ने अभी तक पूरा नहीं किया है। पिछले कुछ समय से कश्मीर की घाटी में पर्यटन बड़ा है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इसी बीच आतंकी हमले भी समय-समय पर होते रहे हैं। सेना के जवान भी लगातार मरते रहे हैं। पहलगाम की इस आतंकी घटना ने एक बार सभी को सोचने में मजबूर कर दिया है। केंद्र सरकार जो दावे करती है वह वास्तविकता से दूर क्यों हैं? जम्मू-कश्मीर के आंकड़ों को केंद्र सरकार हमेशा छुपाती रही है। सशस्त्र बलों और आतंकवादी संगठनों के बीच में लगातार मुठभेड़ की घटनाएं सामने आती रही हैं। अब तो आतंकवाद जम्मू तक बढ़ गया है।

अविभाजित जम्मू-कश्मीर राज्य से चीन पाकिस्तान बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई हैं। अभी तक कश्मीरी पंडित घाटी में वापस लौटकर नहीं आ पाए है। अमरनाथ यात्रा पर भी आतंकवादी हमले का खतरा हमेशा बना रहता है। सरकार को इसके लिए विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। बड़ी संख्या में सैन्यबल तैनात है। इसके बाद भी जम्मू कश्मीर मैं आतंकवादी हमले कम नहीं हो रहे है। केंद्र सरकार सीमा पार के आतंक को खत्म करने में विफल रही है। पठानकोट से लेकर पहलगाम तक पाकिस्तानी रास्ते से आतंकी आते है। घटना करके भाग जाते है। यह भी कहा जाता है कि पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। पिछले 11 वर्षों से केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार है। जम्मू-कश्मीर में भी लंबे समय से केंद्र सरकार काबिज है। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में सभी जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्रालय और केंद्र सरकार के जुम्मे है। ऐसी स्थिति में अब नाराजगी केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय के खिलाफ देखने को मिल रही है। पहलगाम में जो घटना हुई है, वह हृदय विदारक है। भारत से लगी हुई अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर जिस तरह से चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान की ओर से चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, यह भारत और भारत सरकार के लिए चिंता का विषय है। कुछ दिनों के बाद अमरनाथ यात्रा होनी है। निश्चित रूप से आतंकवादी जिस तरह से अभी तक अपनी उपस्थिति बनाए हुए है। उसको देखते हुए केंद्र सरकार को गंभीरता से विचार-विमर्श करना होगा। स्थाई समाधान के लिए भी नीतियां बनानी पड़ेंगी। पाकिस्तान के ऊपर दबाव बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय शक्तियों का दबाव पाकिस्तान में बढ़े इसके लिए भारत को कूटनीतिक प्रयास करने चाहिए।

– सनत जैन

कश्मीर में आतंक के खिलाफ सख्त फैसले का वक्त

सामयिक विश्लेषण

प्रभुनाथ शुक्ल

भारत में हिंदुओं पर सामुदायिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दिया है। अपने ही देश में बहुसंख्य हिंदू हिंसक घटनाओं का शिकार हो रहा है। वैसे सामुदायिक और नस्लीय हिंसा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। लेकिन भारत के आसपास पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हमले और हिंसा बढ़ गए हैं। नेपाल जैसे देश में भी रामनवमी जुलूस पर हिंसा को अंजाम दिया गया। भारत के पड़ोसी इस्लामिक देश में हिंदुओं की स्थिति बद से बदतर है। जबकि ये कभी भारत के हिस्सा थे।यहाँ हिंदुओं पर लगातार धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा की घटनाएं भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। आतंकवाद से लड़ रहे भारत के सामने सामुदायिक हिंसा की घटनाएं बड़ी चुनौती बन रहीं हैं। सबसे अहम मुद्दा यह है कि अपने देश में ही हिंदू बाहुल्य होने के बाद भी हिंदू सामुदायिक हिंसा का शिकार बन रहा है। जबकि चीन में उइगर मुसमानों का दमन किसी से छुपा नहीं है, लेकिन चीन के खिलाफ पाकिस्तान, बांग्लादेश खामोश है। कश्मीर हुआ नरसंहार इसका ताज़ा उदाहरण है। भारत में इस तरह की हिंसा के पीछे वोटबैंक के लिए राजनैतिक तुष्टिकरण सबसे बड़ी समस्या है।

भारत में हिंदुओं पर हिंसक हमले इस्लामिक आतंकवाद की एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो रहा है जबकि अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी गिनती पर आ गईं है। भारत में इस तरह के सामुदायिक और धार्मिक दंगे भड़काने के लिए पाकिस्तान मूल रूप से जिम्मेदार है। लेकिन हम इस तरह की बात कर अपनी जिम्मेदारी से बच भी नहीं सकते हैं। भारत इस्लामिक आतंकवाद से तो हमेशा से पीड़ित रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनैतिक कारणों और उसके फैसलों से देश में सामुदायिक हिंसा, प्रदर्शन और पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ गईं हैं। दोनों समुदायों में एक दूसरे के प्रति नफरत और डर का माहौल पैदा हुआ है। इस तरह की सामुदायिक हिंसा के पीछे सामाजिक, आर्थिक, राजनीति, सोशलमीडिया और धार्मिक कारण मुख्य हैं, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं देश के धार्मिक और सांप्रदायिक तानेबाने को विभाजित करती दिखती हैं।

जम्बू -कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने सिर्फ हिंदुओं को निशाना बनाया और उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोलीबारी मारी। हालांकि की कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। कश्मीर में इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिंदू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए दो स्थानीय मुस्लिम और ईसाई, जैन भी मारे गए है। मीडिया का यह रुख गलत है। पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। आर्तकियों को फांसी देने की भी बात कहीं गईं है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी किया है। इस साजिश के पीछे हाल में पाकिस्तान आर्मीचीफ जनरल कियानी की तरफ से भारत और हिंदुओं के खिलाफ दिया गया वह उसकाऊ बयान भी अहम माना जा रहा है जिसमें उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ भड़काने वाला बयान दिया था। कियानी के बयान के ठीक कुछ दिन बात पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है जिसमें पर्यटकों का धर्म पूँछ कर नरसंहार किया गया। यह पाकिस्तान की सोची समझी रणनीति है, क्योंकि वह भारत से सीधीजंग में कभी नहीं जीत सकता है। ऐसी स्थिति में वह हिंदुओं को निशाना बनाकर भारतीय मुसलमानों का मसीहा बनना चाहता हैएवं कश्मीर में अलगाववाद की नींव और मजबूत करना चाहता है। खैबरपखतून में बलोच आर्मी की तरफ से किए ट्रेन हाईजैक के पीछे वह भारत का हाथ मानता है। जिसकी वजह से वह बौखलाया था और बदले के लिए बेताब था। लेकिन वह जो कर रहा है उसकी भरपाई उसे करनी होगी।

कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर आहिस्ता - आहिस्ता विकास की मुख्यधारा में लौट रहा है। आतंकी घटनाएं कम हुईं हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। सेबों की खेती लहलाहने लगी है। यह सब देख पाकिस्तानी फ़ौज में बौखलाहट है जिसकी वजह से वह इस तरह की सामुदायिक हिंसा की साजिश रच रहा है। कश्मीर में सामुदायिक हिंसा की यह पहली घटना नहीं है। आतंकवादियों ने पुलवामा जैसी घटनाओं को अंजाम दिया है। कश्मीर में साल 2019 के बाद धारा 370 लागू होने के बाद यह पहली सबसे बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना है। दूसरा समझे अहम कारण कश्मीर के राजनैतिक और अलगावावादी कभी शान्ति और विकास नहीं चाहते हैं। क्योंकि धारा 370 खत्म होने के बाद उनकी तमाम स्वतंत्रता जहाँ बाधित हुईं वहीं आर्थिक नुकसान हुआ है। वहां के राजनेताओं और अलगाववादियों का पाकिस्तान प्रेम दुनिया में जगजाहिर है। इसके बावजूद धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून और वक्फ संशोधन जैसे राजनैतिक फैसले इस आग में घी का काम किया है।

चिंतन ही जीवन की सार्थकता

डॉ संध्या जैन श्रुति

समाज में अनेक विषय है जिन पर आजकल सब चल रहे हैं सभी का अपना नजरिया होता है, अपनी सोच होती है पर हम यदि यह सोचें की जिंदगी में असल आनंद तो सुख और दुख दोनों में है यही तो जीवन के दो पहलू हैं इन पर समान दृष्टि रखकर ही हमें अपनी अच्छी सोच रख सत्कर्म करने चाहिए ,नेकी कर दरिया में डाल अर्थात दूसरे के दुख में खड़े रहना और अपने लिए कभी अपेक्षा न करना ही श्रेयस्कर होता है ।

हमें जीवन पथ पर संभाल कर चलना और औरों को संबल देना ही व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाता है आधुनिक दौर में यदि हम सामाजिक सौहार्द का संदेश लेकर समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हैं तो निश्चित ही मन की संप्रेषणीयता सीधे मन से मन तक बात कर सकती है वैसे भी रचनाकार का कर्तव्य होता है कि वह समाज को न केवल जागृत बनाकर रखे बल्कि उसे अपने कर्तव्य बोध के प्रति भी सचेत करें।, क्योंकि चिंतनशीलता सामाजिक विसंगतियों और विषमताओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है सहज आत्मीयता, सुकोमल प्रेम ,विश्वास और समर्पण जीवन के ऐसे तत्व हैं जो प्रभाव अवश्य ही डालते हैं और यही जीव जगत का सार है अच्छी सोच और अपनी बात कहने का सुंदर तरीका सदैव आकर्षण का केंद्र होता है लोकहित और सर्वहित की भावना के साथ-साथ जहाँ पर आम आदमी की समस्याओं का और दुख दर्द का वर्णन होता है, साथ ही उनका समाधान भी होता है तो मन की सरल मिठास आल्हादित कर जाती है।

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में एक और जहाँ राजनीति आम आदमी के जीवन को प्रभावित करती हैं वहीं दूसरी ओर आम आदमी भी राजनीति को प्रभावित करता है सामान्य सी बात है आज लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार का माध्यम बना लिया है समाज की समृद्धि को भ्रष्टाचार से जितना नुकसान पहुँचा है उतना और किसी ने नहीं पहुँचाया कहते हैं ना सरकारी कार्य में अगर 50तका भी सदुपयोग हो जाए तो बहुत बड़ी बात है अतः व्यक्ति कहीं ना कहीं अपने कार्यों से देश और समाज को प्रभावित कर रहा है पहले के समय में ऐसा नहीं था प्रत्येक व्यक्ति का हर छोटे बड़े इंसान के प्रति सम्मान का भाव होता था। गाँव में छोटे बड़ों को आदर देते थे और बड़े छोटों को आशीष देते थे पर हम महानगरों में देखते हैं कि आजकल छोटे बड़ों का भेद समाप्त हो गया है, वह विनय भाव, सम्मान भाव ,सदाचरण बहुत कम नजर आता है। इसीलिए आज अध्ययन, चिंतन और मनन की आवश्यकता है जब चिंतन होगा तो, प्रकृति और पर्यावरण की भी चिंता होगी ।जल और जंगल की भी चिंता होगी। चिंतन से ही आम आदमी के दुख दर्द और जीवन की कठिनाइयों का विश्लेषण हो पाएगा कहाँ क्या सही हो रहा है और कहाँ क्या गलत हो रहा है इस बात को जान लेना बहुत जरूरी है इन्हीं सब बातों से तो जीवन में मिठास, गरिमा और आनंद का आल्हाद बना रहेगा। वर्तमान में हम देखते हैं की अमीर और अमीर होता जा रहा है और गरीब और गरीब होता जा रहा है इंसानियत, न्याय, ईमानदारी, समर्पण, त्याग जैसे शब्द बोने होते जा रहे हैं वरिष्ठ कवि आचार्य भगवत दुबे जी ने लिखा बिकता है न्याय ,सस्ता ईमान हो गया क्रेताओं को सुलभ, अब सम्मान हो गया । मेहनतकशों को रोटी ,होती नहीं मयस्सर । अब जानवर से बदतर इंसान हो गया।

सुविचार

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है।
– राल्फ वाल्डो एमर्सन

आप आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं तो कुछ परेशानी तो उठानी ही पड़ेगी।
– एबिगैल वैन ब्यूरेन

प्रसंग

सबसे बड़ा सुख

राजा विक्रमादित्य के राज्य में एक सदाचारी, नेक और ईमानदार रा पुजारी रहता था । वह बहुत ही निर्धन था । एक दिन वह धन प्राप्ति के उद्देश्य से अपने घर से निकल पड़ा । रास्ते में उसकी मुलाकात एक पहुंचे हुए महात्मा से हुई । पुजारी से बातें करने के बाद महात्मा समझ गए कि यह नेक, ईमानदार व गुणवान है। उन्हीं दिनों विक्रमादित्य अपना राज्य किसी योग्य व्यक्ति को सौंप कर महात्मा के संसर्ग में रहकर शांति से अपना शेष जीवन गुजारना चाहते थे । उन्होंने महात्मा को यह बात बताई हुई थी । महात्मा पुजारी को अपने साथ राजा के पास ले गए और उन्हें सारी बात बताई । महात्मा से पुजारी के बारे में जानकर विक्रमादित्य उसे राज्य सौंपने को तैयार हो गए। पुजारी ने सोचा कि यदि राजा विक्रमादित्य जैसा प्रतापी शासक अपना सब कुछ सौंपकर महात्मा जी के साथ जाना चाहता है, तो इसका अर्थ यह है कि शायद महात्मा के संसर्ग में राज - सुख से भी अधिक सुख प्राप्त होता होगा । वह राजा से बोला, महाराज, मैं भला एक मामूली सा व्यक्ति इतना बड़ा राजपाट कैसे संभालूंगा। मुझे तो इसका बिल्कुल भी अनुभव नहीं है। इसके योग्य तो आप ही हैं। फिर वह महात्मा के पास जाकर बोला, गुरुजी, राजा तो राज्य त्यागकर आपके पास आने के लिए उत्सुक हैं। इससे तो यही जान पड़ता है कि इस दुनिया में राज - सुख से भी बड़ा कोई सुख है । मुझे तो आप अपनी शरण में ले लीजिए। पुजारी की बात सुनकर महात्मा मुस्कराते हुए बोले, तुमने ठीक पहचाना । इस दुनिया में राज- सुख से भी बड़ा सुख है शांति से सभी दुर्गुणों पर विजय पाकर सबकी सेवा का संकल्प ।

जरा हटके

रजनीगंधा: खुशबू से सेहत तक का अनमोल खजाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयुर्वेद में रजनीगंधा को एक विशेष स्थान प्राप्त है। इसके फूल, पत्ते और जड़ें कई औषधीय गुणों से युक्त होती हैं। खासतौर पर यह यौन संचारित रोगों (एसटीआई) के इलाज में कारगर मानी जाती है। रजनीगंधा का नाम सुनते ही मन एक अद्भुत ताजगी से भर जाता है।

इसकी सफेद पंखुड़ियां और मनमोहक खुशबू न केवल वातावरण को महकाने का काम करती हैं, बल्कि इसका उपयोग स्वास्थ्य और औषधीय गुणों के लिए भी किया जाता है। वैज्ञानिक रूप से पोलिएन्थेस ट्यूबरोसा नाम से पहचाने जाने वाले इस फूल को आमतौर पर ट्यूबरोज के नाम से भी जाना जाता है। मूल रूप से यह मैक्सिको और मध्य अमेरिका में पाया जाता था, लेकिन अब भारत में भी बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। इसके सौंदर्य, पवित्रता और सुगंध के कारण इसे प्रेम और शांति का प्रतीक भी माना जाता है। शोध के अनुसार, इसके बल्ब का अर्क गोनोरिया जैसी बीमारियों में प्रभावी होता है। इसके अतिरिक्त, यह मूत्रवर्धक गुणों से भरपूर होता है, जिससे मूत्राशय की सूजन और मूत्र प्रतिधारण जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है। रजनीगंधा का तेल सूजन और जोड़ों के दर्द को कम करने में भी सहायक होता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की सूजन को कम करने और मांसपेशियों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

त्वचा की समस्याओं के लिए भी यह एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय माना जाता है। रजनीगंधा का अर्क मुंहासों, तैलीय त्वचा और बड़े रोमछिद्रों की समस्या को कम करने में सहायक होता है। कई सौंदर्य उत्पादों में भी इसका उपयोग किया जाता है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करने के साथ-साथ उसे पोषण भी देता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी यह फूल बहुत उपयोगी माना जाता है। रजनीगंधा की खुशबू तनाव और चिंता को कम करने में मदद करती है। इसकी मनमोहक सुगंध दिमाग को शांत करने और बेहतर नींद लाने में सहायक होती है। इस फूल का उपयोग धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भी किया जाता है।

फोटो ऑफ द डे

बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति जी शिंपिंग केन्याई राष्ट्रपति विलियम रुटो के स्वागत समरोह में पहुंचे। (फोटो-ईएमएस)

राज काज

मुसलमान, ईसाइयों के बाद अब जैन

भारत में अल्पसंख्यकों को लेकर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार, और कट्टरवादी हिंदू संगठनों के निशाने पर मुसलमान और ईसाई थे। अब निशाने पर जैन समुदाय भी आ गया है। मणिपुर में सैकड़ो चर्च जलाए गए। आज भी मणिपुर जल रहा है। पिछले 11 वर्षों से भारत में मुसलमानो को जिस तरह से दबाया जा रहा है। उसका मजा सब ले रहे थे। अब जैन और बौद्ध भी सरकार के निशाने पर आ गए हैं। केंद्र सरकार ने वक्फ बिल पास कर दिया है। संसद से बिल पास हो जाने के बाद अब अल्प संख्यकों के संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहे। जैनियों के तीर्थ क्षेत्र भी सुरक्षित नहीं हैं। गिरनार पर्वत गुजरात में है। उसमें सनातनियों का कब्जा हो गया है। झारखंड के शिखरजी से 20 तीर्थकंर मोक्ष गए थे। जेनियो के दोनों तीर्थ स्थल सुरक्षित नहीं रहे। वहां पर तरह-तरह के विवाद शुरू हो गए हैं। हाल ही में मुंबई में 90 साल पुराना मंदिर तोड़ दिया गया है। बोध गया में बौद्ध धर्म के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। बोध गया में हिंदुओं का कब्जा है। सिखों के लिए केंद्र सरकार और कट्टरवादी हिंदू संगठनों ने खालिस्तान और देशद्रोही बोलकर अपनी मंशा जाता दी है। भारत के अल्पसंख्यक अभी तक एक दूसरे का मजा ले रहे थे। एक-एक करके सभी निशाने पर आ गए हैं। यह बात अब अल्पसंख्यकों को अब समझ आने लगी है। आगे क्या होगा, भगवान ही जाने।

रेखा गुप्ता की सत्ता पर मजबूत पकड़

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बन गई है। जब आम आदमी पार्टी की सरकार थी। उस समय उपराज्यपाल मुख्यमंत्री के सुपर बॉस बन गए थे। उपराज्यपाल ने बता दिया था कि सत्ता के सारे अधिकार उनके पास हैं। रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनने के बाद अब सुपर वास कहां है। किसी को पता नहीं है। मुख्यमंत्री के रूप में वह सारे कामकाज खुद निपटा रहीं हैं। अधिकारी भी अब उपराज्यपाल की धोंस मुख्यमंत्री पर नहीं जता पा रहे हैं। दिल्ली की नौकरशाही पूरी तरह से मुख्यमंत्री के निर्देश को मानने के लिए विवश है। उप राज्यपाल को लग रहा है। उन्होंने अपने पैरों पर खुद ही कुल्हाड़ी मार ली है। जब तक केजरीवाल की सरकार थी। तब उनकी तूती बोल रही थी। अब उनके पास कोई नहीं फटक रहा है। अब रेखा गुप्ता का समय आ गया है। अब ना प्रवेश वर्मा की चल रही है। ना किसी मंत्री की चल रही है। चल रही है,तो केवल रेखा गुप्ता की।

पिता और पुत्र में भी झगड़ा शनि के कारण

ब्रह्मांड के ग्रह नक्षत्र तेजी के साथ बदले हैं। 6 ग्रह एक साथ हैं। शनि,राहु, केतु वक्री अवस्था में है। जिसका प्रभाव राजनीति और मौसम में देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के ऊपर लगातार हमले हो रहे हैं। सरकार और न्यायपालिका के बीच आमने-सामने का टकराव देखने को मिल रहा है। तमिलनाडु में एस रामदास और उनके पुत्र के बीच विवाद शुरू हो गया है। शनि सूर्यपुत्र हैं। पिता पुत्र के रूप में उनमें संबध हमेशा तनाव पूर्ण रहे हैं। वर्तमान में जिस तरह से ग्रहों की दशा है। उसमें चाचा भतीजा, पिता पुत्र और अपने सहयोगियों के साथ जो लड़ाई झगड़ा देखने को मिल रहा है। ज्योतिषी कह रहे हैं यह सब ग्रहों का कमाल है। जितने भी अहंकारी नेता होंगे। सौर मंडल के गृह सबको सबक सिखा कर ही जाएंगे। जो होगा वह आश्चर्यजनक होगा।

व्यंग्य

अपुन आजकल नाराज़ चल रहे हैं!

-गुरमीत बेदी

हम आजकल बहुत नाराज़ हैं। किस-किस से नाराज़ हैं और क्यों नाराज़ हैं, यह जानने के लिए आपको बहुत ज़्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा। हम उन लोगों में से नहीं हैं जो पूरे पाँच साल तक आपके सब्र का इम्तहान लें और फिर अपना दिल उधेड़कर आपको जख़्म दिखाते फिरें। हम उन लोगों में से भी नहीं हैं जो प्रतीकों और बिंबों के माध्यम से अपनी बात कहें और आपके पल्ले कुछ न पड़े। हम तो निहायत सीधे-साधे आदमी हैं जो दिल के किसी कोने में नाराज़गी का विष रखकर हँसते-हँसते डँसने में कतई यकीन नहीं रखते।

हम नाराज़ हैं तो भई नाराज़ हैं हम अपनी नाराज़गी क्यों छिपाएँ? सबको पता चलना चाहिए कि अपुन नाराज़ हैं। मुल्क में सूचना का अधिकार लागू हो चुका है। अब बाकी के लफ़ड़े लोगों को पता चलें न चलें लेकिन यह तो मालूम रहना ही चाहिए न कि अपुन आजकल बहुत नाराज़ चल रहे हैं। आख़िर लोकतंत्र है भई। कोई फौजी शासन थोड़े ही है जो बूटों के भार तले किसी की नाराज़गी रौंद दी जाए।

हम अक्सर चुप रहते हैं। बयान नहीं देते। जैसा-जैसा हमें हुक्म होता है, वैसा-वैसा हम कर देते हैं। हम रियैक्ट नहीं करते लेकिन इसका मतलब यह थोड़े ही है कि हम नाराज़ नहीं हैं। नाराज़ तो हम हैं ही। अब देखो न, मुझसे पूछे बिना मेरे बेटे ने पी. एम. टी. की परीक्षा के लिए फ़ार्म भरकर भेज दिया। उसे प्लस-टू में पास कैसे करवाया, यह या तो मैं जानता हूँ, या मेरा खुदा या फिर वह प्रिंसीपल, जिसने उसका सारा प्रश्नपत्र हल कर दिया था। लेकिन पी.एम. टी. का एग्ज़ाम मेरे किसी दोस्त के निजी स्कूल में तो होगा नहीं जो बेटा बिन पढ़े पास हो जाए। क्या मेरी नाराज़गी अपनी जगह सही नहीं है? पारदर्शिता का दौर है। इस नाराज़गी की वजह आपको मालूम होनी चाहिए न!

एक और वजह भी है हमारे नाराज़ होने की। किसी भी कार्यक्रम में हमें कोई भाव नहीं दिया जाता। हम मंच संचालक को चिटें भिजवाते ही रह जाते हैं कि भई हम भी किनारे पर खड़े हैं, अपने संबोधन में हमारा भी नाम ले दो। लेकिन इन चिटों पर ग़ौर फ़रमाने की बजाए मंच संचालक महोदय इसे अपनी मुट्ठी में यों मसल देते हैं जैसे नाराज़ प्रेमिका फूल को मसल कर रख देती है। मंच संचालक की इस बेरुख़ी से पब्लिक को पता ही नहीं चलता कि हम भी वहाँ पर थे। क्या हमारी कोई बुक्कत नहीं है? क्या हमने बेकार में नया पैंट-कोट सिलवाया? ऐसे-ऐसे लोग समारोह और अख़बार में जगह पा जाते हैं जिनकी कोई कांट्रीब्यूशन ही नहीं होती। ऐसे में हम नाराज़ भला क्यों न हों? आख़िर कोई आचार-संहिता, कोई पैमाना, कोई प्रोटोकॉल होना चाहिए।

दो साल पहले मोहल्ले में एक कोर कमेटी बनी। एक सज्जन ने मुझे सपरिवार खाने पर बुलाया। दीवाली पर ड्राई फ्रूट का गिफ्ट पैक भी भिजवाया। हमने कई लोगों को नाराज़ करके कोर कमेटी के चुनाव में उस सज्जन को प्रधान की कुर्सी पर बिठवाया, इसके बाद वह सज्जन एक हाई पावर कमेटी के अध्यक्ष भी बनें लेकिन हमारी तरफ़ से उन्होंने आँखें फेर ली। जिन लोगों ने कोर कमेटी के चुनाव में उनकी मुखालफ़त की थी, वे अब उनकी लाल बत्ती वाली कार में सैर फ़रमाते हैं। हम वहीं पैदल के पैदल। पिछली दीवाली पर भी उन्होंने हमें गिफ्ट नही भिजवाया और यह दीवाली भी ड्राई फ्रूट की बाट जोहती रही।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानें

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो? वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा? अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

स्वास्थ्य

डायबिटीज होने पर हॉट शॉवर से बढ़ सकती है त्वचा संबंधी परेशानियां

लंदन (ईएमएस)। डायबिटीज ऐसी बीमारी है, जो कई समस्याओं को जन्म देती है। देखने में दिक्कत, वजन कम होना, श्वसन तंत्र में परेशानी, बालों का झड़ने के अलावा त्वचा से जुड़ी समस्याओं के लिए डायबिटीज जिम्मेदार हो सकती है।

डायबिटीज के मरीजों को स्किन से जुड़ी समस्याएं होना सामान्य है। लगभग 30 प्रतिशत डायबिटिक पेशेंट्स में त्वचा संबंधी रोग पाए जाते हैं। डायबिटीज में शरीर की हीलिंग पॉवर कम हो जाती है जिस वजह से किसी भी प्रकार की चोट, खांसी या स्किन संबंधी समस्या को ठीक होने में समय लगता है। स्किन प्रॉब्लम के लक्षण डायबिटीज की शुरुआत में ही दिखाई देने लगते हैं। स्किन प्रॉब्लम होने पर शरीर के किसी भी हिस?से में पीले, लाल या भूरे रंग के धब्बे, सख्त व मोटी स्किन, इंफेक्शन, फफोले और खुजली जैसे लक्षण देखे जा सकते हैं। डायबिटीज होने पर हॉट शॉवर लेने से भी स्किन संबंधी समस्या बढ़ सकती है। स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने के लिए उसकी सही देखभाल बेहद जरूरी है। साथ ही स्किन को इंफेक्शन से बचाने के लिए सावधानी बरती जा सकती है। स्किन की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए सबसे अहम है हाइजीन। स्किन को साफ और ड्राई रखने से स्किन को डैमेज होने से बचाया जा सकता है।

साओ पाउलो में मिली डायनासोरों के जमाने की चींटी, वैज्ञानिक भी हैरान

साओ पाउलो। वैज्ञानिकों को ब्राजील के उत्तर-पूर्वी हिस्से में 113 मिलियन साल पुरानी चींटी का जीवाश्म मिला है। वैज्ञानिक का दावा है कि यह अब तक की सबसे पुरानी चींटी है और इसका नाम हेल ऐंट हैं। ये डायनासोरों के जमाने में जिंदा थीं। इस चींटी का मुंह ऊपर की ओर खुलता था और दांत दरांती जैसे दिखते थे। वे इनका इस्तेमाल शिकार को पकड़ने या चुभोने में करती थी। अब तक की सबसे पुरानी चींटियां फ्रांस और म्यांमार में एम्बर में पाई गई थीं, लेकिन यह पहली बार है जब किसी चींटी का जीवाश्म चट्टान में मिला है।

वैज्ञानिकों ने इस चींटी का माइक्रो-सीटी स्कैन किया, जिससे अंदरूनी बनावट पता चली। चींटी के जबड़े सामने की तरफ चलते थे न कि साइड की तरफ जैसे आज की चींटियों में होता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि कुछ अलग मिलेगा, लेकिन इस चींटी की बनावट ने हमें चौंका दिया। इतने पुराने समय में इतनी जटिल संरचना होना हैरान करने वाला है।

पोलैंड में एक व्यक्ति इजरायली पर हमास के हमले में बंधक बनाये गये लोगों की तस्वीर इंटरनेशल मार्च ऑफ लिविंग के दौरान लिए हुए।

अमेरिका ने की हमले की कड़ी निंदा, आतंकियों के खिलाफ कड़े एक्शन की कही बात

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस से शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तानी पत्रकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तनाव को लेकर सवाल पूछा। इस पर प्रवक्ता ब्रूस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने साफ कहा है कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और आतंकवाद की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा कि हम इस पर कोई भी टिप्पणी नहीं करने वाले हैं। इस स्थिति पर तो कुछ नहीं बोलेंगे।

राष्ट्रपति और सेकरेट्री ने पहले ही काफी कुछ कहा है, हमारा रुख स्पष्ट है। बिना नाम लिए टैमी ब्रूस ने पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ कड़े एक्शन की बात कही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन लोगों के लिए प्रार्थना करता है जिन्होंने आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाई और घायलों के ठीक होने के लिए प्रार्थना करता है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले पर ब्रूस ने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए फोन किया था। पीएम मोदी ने ट्रंप को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भारत इस कायरतापूर्ण और जघन्य आतंकवादी हमले के अपराधियों और समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। बता दें 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में बैसरन, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के रूप में जाना जाता है, में 28 लोगों की हत्या कर दी थी। इस आतंकी हमले के बाद पहली सार्वजनिक सभा में पीएम मोदी ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिया था।

बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कसम खाई कि भारत पहलगाम नरसंहार में शामिल हर आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा उनका पता लगाएगा और उन्हें दंडित करेगा। हम उनका पीछा दुनिया के आखिरी छोर तक करेंगे। आतंकवाद भारत का मनोबल नहीं तोड़ पाएगा। अपने पहले जवाबी हमले में, भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने और राजनयिक संबंधों को कम करने सहित पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक उपायों की घोषणा की। भारत ने गुरुवार को 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी सभी वीजा रद्द करने की घोषणा की और पाकिस्तान में रह रहे भारतीय नागरिकों को स्वदेश लौटने की सलाह दी है।

फांस के स्कूल में छात्र ने अन्य छात्रों पर चाकू से किया हमला, एक की मौत

पेरिस। पश्चिमी फ्रांस के नांतेस (नांत) में एक हाई स्कूल का छात्र चाकू लेकर स्कूल पहुंच गया। इसके बाद उसने कम से कम चार छात्रों को चाकू मार कर घायल कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को हमले में गंभीर घायल एक छात्र की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस के पहुंचने से पहले ही शिक्षकों ने हमलावर छात्र को पकड़ लिया था। हमलावर हाई स्कूल का छात्र है, जिसे हिरासत में ले लिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक ने एडोल्फ हिटलर के प्रति प्रशंसा व्यक्त की थी। कई कक्षाओं में हमले करने के बाद शिक्षकों ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने उसकी मनोवैज्ञानिक जांच के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया है।

छात्र ने हमले से ठीक पहले अन्य छात्रों को ईमेल भेजा था। रिपोर्ट में बताया गया है कि जांच करने वाले मनोचिकित्सक ने बताया कि संदिग्ध छात्र का स्वास्थ्य पुलिस हिरासत के लिए ठीक नहीं है। फ्रांस को झकझोर देने वाली नई घटना में हमलावर ने पश्चिमी शहर नांतेस के नोट्रे-डेम डे टाउट्स-आइडेस ग्रामर स्कूल में साथी छात्रों पर चाकू से हमला किया। फ्रांस के आंतरिक मामलों के मंत्री ब्रूनो रेटायो ने करीब 50 जांचकर्ताओं को जांच में लगाया है। फ्रांस के पीएम फ्रेंकोइस बायरू ने हमले के बाद स्कूलों के आसपास और अंदर नियंत्रण बढ़ाने को कहा है। साथ ही आगे चाकू से होने वाले हमलों को रोकने के प्रस्ताव भी मांगे हैं।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक्स पर कहा कि हमलावर छात्र को पकड़कर शिक्षकों ने एक बड़ी दुर्घटना होने से बचा लिया। बता दें फ्रांस की शिक्षा मंत्री ने फरवरी में कहा था कि पुलिस बढ़ते हमलों से निपटने के लिए स्कूलों के पास छिपे हुए चाकू और अन्य हथियारों की तलाश शुरू करेगी।

रूस ने पूरे देश पर कब्जा करने का इरादा छोड़ यूक्रेन को दी रियायत-ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस ने यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने से पहले ही पूरे देश पर कब्जा करने के इरादे को छोड़कर बड़ी रियायत दी है। ट्रंप के इस विचार का हालांकि यूक्रेन और यूरोप के ज्यादातर देशों ने कड़ा विरोध किया और दलील दी कि रूस द्वारा भूमि हड़पने की अपनी कार्रवाई को रोकना कोई रियायत नहीं है। इससे पहले गुरुवार को ट्रंप ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन पर हमले रोकने को कहा था। यह अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा रूसी नेता को मामले में फटकार लगाने की दुर्लभ घटना थी।

ट्रंप ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस द्वारा बड़े पैमाने पर किये गए हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुझे कल रात की घटना पसंद नहीं आई।

आज का इतिहास 26 अप्रैल

1532 तुर्की के सुल्तान सुलेमान प्रथम ने हंगरी पर हमला किया.
1798 फ्रांस ने आस्ट्रिया के खिलाफ जंग का ऐलान किया.
1812 जर्मन धातुविज्ञानी अल्फ्रेड क्रुप का जन्म हुआ.
1860 स्पेन और मोरक्को के बीच शांति समझौता हुआ.
1903 ट्रांसवाल हाईकोर्ट (दक्षिण अफ्रीका) में गांधीजी ने वकालात शुरू की.
1920 गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम का निधन हुआ.
1954 कोरिया और हिंद चीन के मसले पर महाशक्तियों की बैठक में पहले चुनाव कराने पर बल दिया गया.
1962 अमेरिका, ब्रिटेन के संयुक्त तत्वाधान में ब्रिटेन के पहले उपग्रह एरियल-1 का प्रक्षेपण किया गया.
1964 टांगान्यिका और जंजीबार को मिलाकर तंजानिया का गठन किया गया.
1966 वियतनाम युद्ध में अमेरिकी प्रक्षेपास्त्रों से पहला मिग-21 विमान मार गिराया गया.
1975 सिक्किम को भारत का नया राज्य बनाने संबंधी प्रस्ताव संसद ने पारित किया था.
1989 चीन लोकतंत्र समर्थक छात्रों ने सरकार के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन की घोषणा की.
1990 कोलंबिया में राष्ट्रपति पद के वामपंथी उम्मीदवार कार्लोस पिजार्रो की हत्या हुई थी.
1994 ताइवानी विमान दुर्घटना में 264 व्यक्ति मारे गए.
2002 यूनान के पास नदी में डूबने से पंजाब के 25 युवकों की मृत्यु.

प्रसंगतः त्याग का तप

ज ब मेघनाद के शक्ति बाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए, तो विभीषण की राय पर हनुमान सुषेन वैद्य को ले आए। वैद्य जी ने हिमालय से संजीवनी बूटी लाने की सलाह दी, पर यह शर्त भी रखी कि अगर सूर्योदय से पहले लक्ष्मण को संजीवनी नहीं पिलाई गई तो वह जिंदा नहीं बचेंगे। यह काम हनुमान को सौंपा गया। जब हनुमान पूरे धवल गिरि को उठाए अयोध्या से गुजर रहे थे, तो उन पर भरत की दृष्टि पड़ गई। भरत ने सोचा कि राम की अनुपस्थिति में कोई राक्षस अनिष्ट करने की मंशा से राज्य के ऊपर मंडरा रहा है। उन्होंने धनुष-बाण उठाया और हनुमान पर निशाना साध दिया। बाण लगते ही हनुमान धरती पर आ गिरे और कुछ क्षणों के लिए अचेत हो गए। भरत को बहुत ग्लानि हुई। कुशल क्षेम पूछने के बाद भरत ने कहा,' आपको सूर्योदय से पहले लंका पहुंचना है और दूरी बहुत ज्यादा है। मेरे बाण पर बैठ जाइए, इससे आप तुरंत ही राम के पास पहुंच जाएंगे।' हनुमान ने कहा, 'राम का नाम लेने में जितनी देर लगती है, उतने ही समय में मैं लंका पहुंच जाऊंगा।' इस बीच सभी रानियां भी आ गईं। दुखद समाचार सुनने के बाद कौशल्या ने राम के लिए संदेश दिया कि चाहे जो हो जाए, अगर लक्ष्मण जीवित न बचा तो तुम भी कभी अयोध्या मत आना। इसके बाद कैकेयी ने कहा, 'राम! वन में भटकते-भटकते बहुत दिन बीत गए हैं। अब तुम अयोध्या लौट आओ, अब मैं भरत को तुम्हारी जगह युद्ध के लिए भेज रही हूं।' सुमित्रा से रहा नहीं गया। वह बोलीं, 'लक्ष्मण के प्राण नहीं बचे तो कोई बात नहीं। तुम चिंता मत करना। उसका एक भाई शत्रुघ्न है, जल्दी से स्थिति के बारे में बताओ ताकि मैं तुम्हारी सेवा में उसे भेज सकूं।' उनकी बातें सुनकर हनुमान ने सोचा कि जहां एक-दूसरे के लिए त्याग की ऐसी भावना हो, वहां सभी संकट स्वतः कट जाएंगे।

दैनिक पंचांग

26 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.37 बजे से
चंद्र	मीन में	मिथुन	08.35 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.48 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.04 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.16 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.27 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.42 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.58 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.03 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.49 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		मीन	03.22 बजे से
		मेष	04.53 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 116 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 08.28 बजे तदनन्तर चतुर्दशी 04.50 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 06.27 बजे तदनन्तर रेवती 03.39 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 08.41 बजे तदनन्तर विष्कुम्भ 04.35 बजे प्रातः को समाप्त। **करण** वणिज 08.28 बजे, विष्टि 18.41 बजे तदनन्तर शकुनि 04.50 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 13° 32' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872326 **जूलियन दिन** 2460791.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 27

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि चर्तुदर्शी, शनिवासरे, रेवती नक्षत्रे, तैतिल/विव योगे, विव करणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा 25/30, चर्तुदर्शी व्रत, पंचक समाप्त रात्रि 2/16, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, उद्यमी, जिद्दी-हठी, सैनिक, सेना नायक, दस्ता नायक, बुद्धिमान, शील स्वभाव वाला होगा।

मेष राशिः राजक्षय, कष्ट, व्यापार बाधा, शुभ समाचार, प्रसन्नता के योग बनें, मित्र सहयोग करेंगे।
वृष राशिः शुभ समय किन्तु भय होगा, स्वजन सुख लाभदायक होगा, दाम्पत्य जीवन में असमंजस बना ही रहेगा।
मिथुन राशिः वाहन भय, मातृ-पितृ कष्ट, हानि, व्यर्थ, अनाप-शनाप खर्च से परेशानी अवश्य ही होगी।
कर्क राशिः सफलता, उन्नति, शुभ कार्य, विवाद, उद्योग, व्यापार में उलटफेर की स्थिति बनेगी।
सिंह राशिः शरीर कष्ट, उत्तम व्यय, सफलता, व्यवस्था में बाधा, व्यवधान, साधारण लाभ होगा।
कन्या राशिः खर्च, विवाद, स्त्री-कष्ट, विद्या लाभ, कुछ अच्छे कार्य होंगे, संतान प्राप्ति के योग।
तुला राशिः यात्रा में हानि, राजभय, लाभ, शरीर कष्ट, व्यापार में सुधार, प्रगति की संभावना है।
वृश्चिक राशिः यात्रा लाभ, संपत्ति लाभ, कारोबार में उबाल तथा कार्यवृत्ति उत्तम बनेगी।
धनु राशिः अल्प लाभ, शरीर कष्ट, चोटादि का भय, शिक्षा से विशेष लाभ होगा।
मकर राशिः शत्रु हानि पहुंचायेंगे, अपयश, शरीरिक सुख, समय अच्छा उद्योग-व्यापार के लिये प्रयास करें।
कुंभ राशिः व्यय, संतान-सुख, कार्य सफलता, मित्र प्रगतिदायक रहें, संतोष कार्य अवश्य ही बनेंगे।
मीन राशिः पदोन्नति, राजभय, न्याय लाभ, हानि किन्तु जीवन संतोषप्रद बना ही रहेगा।

पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

पुतिन पर भड़के ट्रंप कहा- रुक जाओ अब बहुत हो गया, यूक्रेन को भी दी नसीहत

वॉशिंगटन। बीते तीन सालों से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच गुरुवार को रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन से एक बड़ा हमला किया। इस हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कीव पर अटैक रोकने की अपील की। ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, मैं कीव पर रूस के हमलों से खुश नहीं हूं। यह जरूरी नहीं था और इसका समय भी बहुत खराब था। व्लादिमीर, रुको! हर हफ्ते 5000 सैनिक मर रहे हैं। चलो शांति समझौता करें! ट्रंप ने यह भी दावा किया कि रूस का 'पूरा यूक्रेन न कब्जाना' रूस की ओर से एक 'बड़ा रियायत' है।

ट्रंप प्रशासन ने पेरिस में एक शांति प्रस्ताव पेश किया, जिसमें यूक्रेन से बड़ा बलिदान देने को कहा गया है। इसमें कहा गया है कि क्रीमिया रूस का हिस्सा माना जाएगा और यूक्रेन को रूस को बड़े क्षेत्र सौंपने होंगे। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, 'सीमाओं को मौजूदा स्थिति में फ्रीज करना चाहिए।' ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि रूस का 'युद्ध रोकना' और 'पूरा यूक्रेन न लेना' एक बड़ा समझौता है। लेकिन जेलेंस्की ने इसे ठुकरा दिया, क्योंकि यह यूक्रेन के संविधान के खिलाफ है।

ट्रंप के प्रस्ताव से अमेरिका के सहयोगी देश चिंतित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक एक यूरोपीय राजनयिक ने कहा, 'अगर यूक्रेन को अपनी जमीन छोड़ने के लिए मजबूर किया गया, तो यूरोप या दुनिया का कोई भी देश सुरक्षित नहीं रहेगा, चाहे वह नाटो में हो या नहीं।' उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का उल्लंघन बताया। एशियाई सहयोगी, खासकर चीन को लेकर चिंतित हैं। एक एशियाई राजनयिक ने कहा, 'चीन देख रहा है। अगर रूस को उसकी हिंसा के लिए पुरस्कार मिला, तो यह खतरनाक संदेश होगा।' यूरोपीय अधिकारी इस प्रस्ताव को नहीं मानेंगे, जिससे अमेरिका अलग-थलग पड़ सकता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रूस के हमलों की निंदा करते हुए कहा, 'पुतिन झूठ बोल रहे हैं। वह शांति की बात करते हैं, लेकिन बम बरसाते हैं।'

रूस के हमले में कीव में 12 लोग मारे गए और 90 घायल हुए, जिससे युद्ध और गहरा गया है। गुरुवार तड़के रूस ने कीव पर 70 मिसाइलों और 145 ड्रोनों से हमला किया, जो जुलाई 2024 के बाद सबसे घातक हमला था।

पानी के लिए पाकिस्तान में मचा हाहाकार, प्यास बुझाने के लिए एक दूसरे से भिड़े

इस्लामाबाद। भारत ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की सूचना पाकिस्तान को दी। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से लगातार सीमा पार आतंकवाद, खासकर पहलगाम हमले, ने संधि की शर्तों को तोड़ा है। हालांकि, भारत ने यह साफ नहीं किया कि नदियों का पानी रोका गया है या नहीं। लेकिन पाकिस्तान में पानी को लेकर आपस में लड़ाई देखी जा रही है। पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर अपने ही राज्यों के बीच जंग छिड़ गई है, खासकर नए नहर प्रोजेक्ट पर तीखा विवाद चल रहा है।

भारत के जल संसाधन सचिव देबाश्री मुखर्जी ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष सैयद अली मुर्तजा को पत्र लिखकर कहा, 'पाकिस्तान का लगातार सीमा पार आतंकवाद, खासकर जम्मू-कश्मीर में, भारत की संधि के तहत अधिकारों को बाधित कर रहा है।' यह फैसला बुधवार को लिया गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने पहलगाम हमले के जवाब में पांच बड़े कदमों को मंजूरी दी। इनमें अटारी सीमा बंद करना, सार्क वीजा छूट रद्द करना और दोनों देशों के दूतावासों में कर्मचारियों की संख्या घटाना शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

सागर के थाना मालथोन क्षेत्र में रात्रि में ट्रेवलर और कार की आपसी टक्कर हो जाने से घायल हुए दो युवक को डायल-112/100 एफ आर व्ही ने अस्पताल पहुंचाया

सागर। सागर के थाना मालथोन क्षेत्र में मानद्री गाँव के पास एक एक्सिडेंट हो गया है 02 व्यक्ति घायल हो गए है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 25-04-2025 को रात्रि 01:42 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल मालथोन थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक राजेश बंसल एवं पायलेट वीरेंद्र लोधी ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि ट्रेवलर और कार की आपसी टक्कर हो जाने से दो युवक आशु यादव उम्र 24 साल निवासी खुरई एवं राज चौहान पिता गुड्डू चौहान उम्र 25 साल निवासी खुरई घायल हो गये थे । डायल-112/100 एफ आर व्ही द्वारा घायलों को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल मालथोन पहुंचाया गया ।

पाकिस्तान के आतंकियों को घर में घुसकर मारे सरकार

मैहर। क्षेत्रीय जन कल्याण संघर्ष समिति के अध्यक्ष पंडित रामनिवास उरमलिया ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले में शहीद हुए 28 निर्दोष भारतीय पर्यटकों पर हुए कातिलाना हमले पर गहरा दु:ख जताते हुए उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह आतंकी हमला न केवल एक कायराना कृत्त है बल्कि यह भारत की एकता अखंडता और शांति के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश है। हमले में शहीद हुए उनके बलिदान को कभी नहीं बुलाया जा सकेगा। पूरा देश इस संकट की घड़ी में एकजुट है और केंद्र सरकार के साथ मजबूती से हम सब खड़े है। हमारी मांग है कि केंद्र सरकार भारत विरोधी ताकते और आतंकी संगठनों को नेस्तनाबूत करने के लिए तत्काल कठोर कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के अन्दर घुसकर मारना चाहिए। श्री उरमलिया ने आगे कहा कि पाकिस्तान से प्रायोजित आतंकवाद और इसे सहयोग प्राप्त संगठनों का एकमात्र उद्देश्य भारत में अशांति और भय का माहौल पैदा करना है। पहलगाम का हमला मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध है। पहलगाम में हुए इस हमले ने न केवल नागरिकों की जान ली बल्कि यह देश की सुरक्षा और संप्रभुता पर भी एक गंभीर प्रहार है।

पहलगाम के शहीदों को जटाशंकर धाम में दी गई श्रद्धांजलि

दमोह। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ जब देश भर के अनेक अपनी भ्रमण यात्रा पर थे इस कायराना हमले में अनेक मां भारती के वीर सपूतों का बलिदान हो गया जो अत्यंत दुखद है। जटाशंकर धाम एवं छात्र क्रांति दल, छात्र सर्व कल्याण समिति द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जटाशंक धाम के महंत पंडित मोनू पाठक ने कहा कि पाकिस्तान ने यह बहुत बड़ी गलती की है मासूमों के ऊपर हमला करना अब बिल्कुल बर्दाश्त के बाहर में भारत सरकार से कठोर से कठोर कार्यवाही की मांग करता हूं। यूथ अचीवर्स कृष्णा पटेल ने कहा अब समय आ गया है कि ऐसे आतंकवादियों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही हो साथ ही हमारे शहर में भी दो पाकिस्तान प्रेमियों को पुलिस ने पकड़ा है। इन्हीं को हम आस्तीन का सांप रहते हैं जो खाते देश का है और बजाते प्रदेश का है। इस दौरान पारुल राजपूत, रुद्र, मनु, पवन, बृजेश, रोहित, पीयूष, बसु, अनुज सहित अनेक भक्तों संस्था के अनेक पदाधिकारियो और सदस्यों की उपस्थिति रही।

आहार दान की अनुमोदना का फल मोक्ष प्राप्ति है: मुनि उपशांत सागर

दमोह। चार वन्य प्राणियों को चारण रिद्धिधारी मुनियों को आहार देने की अनुमोदना के चलते विशेष फल प्राप्त हुआ। अपनी आयु को पूरी कर वे मरकर स्वर्ग गए। फिर उन्होंने स्वर्ग की आयु को पूरा कर भगवान आदिनाथ के घर पर जन्म लिया। चारों प्राणियों ने केवल आहार दान देने की अनुमोदना की। जिसका उन्हें यह फल प्राप्त हुआ। जो आहार दान देने की अनुमोदना के साथ आहार दान दे तो वह जरूर मोक्ष जाएगा। आहार दान के बारे में पद्मनादि महाराज ने कहा है कि जो धन होने के बाद भी आहार दान नहीं देता वह दुर्गति को पाएगा। वहीं दान करने वाला मोक्ष जरूर जाएगा। आहार दान देने में उदासी नहीं होनी चाहिए। दान की प्रवत्ति करने वाले को फल मिलता हैं। मुनिसुव्रत तीर्थ पर दान देने वाले को मेरा आशीर्वाद है। आहार

दान में अपना द्रव्य दान देना चाहिए। अपनी सामग्री ही ले जाकर आहार में मुनिराजो को दान करो। यदि आपके पास कुछ नहीं हैं, तो स्वयं कुआं का पानी छान कर प्रासुक करके मुनिराजो को देने से भी पुण्य की प्राप्ति होगी। आज भी यह शुभ अवसर हैं। मुनिसुव्रत तीर्थ पर दान करके आप दान का पुण्य पा सकते हैं। यह बात मुनि उपशांत सागर जी महाराज ने श्री मुनीसुव्रत तीर्थ बांसा तारखेडा में आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान कहीं। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

आदिनाथ महामुनिराज को राजा श्रेयांश ने दिया इक्षु रस का आहार- पंचकल्याण प्रतिष्ठा के अवसर पर तप कल्याण के दिन राजा श्रेयांश को महामुनिराज आदिनाथ का पड़गाहन कर इक्षु रस का आहार देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राजा श्रेयांश बने ऋषभ कुमार कविता जैन स्टेशन मास्टर के द्वारा महामुनिराज आदिनाथ को प्रथम आहार दिया गया। तो वहीं राजा सोम बने अशोक सिंघई को भी द्वितीय आहार दान देने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके पश्चात सैकड़ो की संख्या में भक्त जनों के द्वारा महा मुनिराज आदिनाथ को इक्षु रस यानी गन्ने के रस का आहार दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों ने बधाई गाकर के भगवान को आहार दान देने की खुशियां भी मनाई। आयोजन में पूरे दमोह जिले सहित प्रदेश भर के विभिन्न जिलों से आए भक्तों की मौजूदगी रही।

समस्याओं को लेकर राज्य शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

मैहर। राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने नवीन शिक्षा सत्र 1 जुलाई से प्रारंभ करने, अतिथि शिक्षकों की सेवाएं निरंतर रखने एवं ऑनलाइन अटेंडेंस व्यवस्था शिक्षकों के साथ सभी विभागों में लागू करने जैसे मुद्दों की मांग को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपा। राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में बताया कि मध्यप्रदेश में पूर्व वर्षों की भांति स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए आगामी शिक्षा सत्र 1 जुलाई से प्रारंभ किया जाए। क्योंकि 1 अप्रैल से शिक्षा सत्र प्रारंभ करने के आदेश भले ही जारी किए हैं लेकिन शिक्षको के अथक प्रयासों के बावजूद भी सरकारी स्कूलो में विद्यार्थियों की संख्या नगण्य रहती है। पूरे प्रयासों के बावजूद विद्यार्थी स्कूलों से दूरी बनाए रखते हैं यह पूरे प्रदेश के स्कूलों की वास्तविकता। ज्ञापन में बताया कि पूर्व वर्षों की भांति ही 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड की परीक्षाएं मार्च माह में ली जाएं एवं कक्षा एक से आठ तक एवं 9 वी एवं 11वीं की परीक्षा अप्रैल माह में ली जाए और 30 अप्रैल को पूर्व वर्षों की भांति परीक्षा परिणाम घोषित किया जाए। वर्तमान शिक्षा सत्र में फरवरी माह में सभी परीक्षाएं समाप्त हो गई थी ऐसे में विद्यार्थी मार्च, अप्रैल, मई और जून इस प्रकार कर 4 माह पूरी तरह से स्कूलों के संपर्क से दूर हो जाता है। विद्यार्थियों के लिए 15 जून से शिक्षा सत्र प्रारंभ करने के आदेश होने के बावजूद विद्यार्थी 1 जुलाई से ही स्कूलों में आना प्रारंभ करते हैं। इसलिए विद्यार्थियों के लिए 1 जुलाई से ही सत्र शुरू किया जाए। ऑनलाइन अटेंडेंस व्यवस्था को शिक्षा विभाग के साथ साथ समस्त विभागो में लागू किया जाय। मुख्यमंत्री को दिए ज्ञापन में बताया कि ई अटेंडेंस व्यवस्था को मध्यप्रदेश के समस्त शासकीय विभागों के कर्मचारियों के लिए एक साथ लागू किया जाना चाहिए। अतिथि शिक्षको की सेवाए वर्ष भर निरंतरता रखी जाए क्योंकि शिक्षा व्यवस्था में अतिथि शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है।

देश की उन्नति का मार्ग सनातन धर्म के पंच महाप्राण

मैहर। मानसपीठ खजुरीताल में आयोजित पाटोत्सव के द्वितीय दिवस जगद्गुरु स्वामी रामललाचार्य ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश की उन्नति का मार्ग गाय, गायत्री, गीता, गंगा और गोविंद के द्वारा ही पुष्ट होगा। ये हमारे सनातन धर्म के पंच महाप्राण स्वरूप हैं। गाय हमारी आध्यात्मिक और आर्थिक समृद्धि का प्रतीक है। गायत्री हमारे सनातन धर्म की उपासना पद्धति का प्रतीक है। गीता हमारे ज्ञान का प्रतीक है। गंगा हमारे संस्कारो और परंपराओं की मूल स्वरूप है। इन सभी का सार तत्त्व है गोविंद के चरणों में प्रीति हो जाना है। मानसपीठ खजुरीताल इन पांचों के सेवार्थ सदा तत्पर रहा है। यदि हमारे संस्कार जीवित हैं तो हमे किसी से कभी भी डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। हमारे संस्कार हमारे हिंदू धर्म और हिंदू राष्ट्र की नींव हैं। हमारे भारत में अनेकानेक वैचारिक संस्कृतियां संवाद करती रही है। निवेदन करूं भारत संवाद की भूमि है। केवल विचार के मतभेद होने से कभी किसी ने किसी भी प्रकार से हिंसा नहीं की। हमारी संस्कृति स्वयं में श्रेष्ठ है और वर्तमान की परिस्थितियों को देखकर मैं कहता हूं कि अन्य लोगों को हमसे सीखना चाहिए। मानसपीठ से कभी भी किसी भी तरह से अलगाववादी विचारधारा का समर्थन नहीं किया गया। हमारे आद्याचार्य स्वामी श्री रामानंदाचार्य जी का वाक्य है। जाति.पांति पूंछे नहि कोई। हरि को भजे सो हरि का होई। हमारा उद्देश्य भी यही है हम सदा सर्वदा सनातनी विचारों के लिए एक जुट रहें और समाज को सर्वोत्तम दिशा देने के लिए प्रयासरत रहें।

जैन मिलन द्वारा डायमंड पार्क में जीव दया हेतु लगाए गए सकोरे

दमोह। जैन समाज द्वारा जीव दया, करुणा और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा, दमोह के तत्वावधान में डायमंड पार्क में एक विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पक्षियों के लिए सकोरे (मिट्टी के बर्तन) लगाए गए, जिनमें नियमित रूप से दाना-पानी की व्यवस्था की जाएगी। इस पुनीत कार्य की शुरुआत भगवान महावीर की प्रार्थना से हुई, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने श्रद्धा और भावनाओं से भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित सभी वीर वंधुओं ने सामूहिक व्यायाम कर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संदेश दिया। इसके पश्चात पक्षियों के

लिए सकोरे लगाए गए और उनमें दाना डालने के साथ ही पानी की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम प्रभारी दीपक जैन 'ए.' ने बताया कि भीषण गर्मी के इस मौसम में पक्षियों को भोजन और पानी मिल सके, इस उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है। सकोरों की नियमित देखरेख के लिए एक समर्पित टीम का गठन किया गया है, जो प्रतिदिन दाना-पानी भरने का कार्य करेगी। कार्यक्रम में जैन समाज के अनेक प्रतिष्ठित और सक्रिय कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य रूप से मुकेश जैन 'मम्मा', संजीव शाकाहारी, सुधीर जैन 'डवलू', सचिंद्र जैन, महेन्द्र जैन सोमखेड़ा, दिलेश जैन चौधरी, आनंद जैन,अनिमेष सिंघई, सुनील जैन 'वेजेटेरियन', विनय जैन, सौरभ जैन, राकेश पलंदी, जवाहर जैन, सबन जैन जिनेन्द्र जैन सहित अनेक वीर वंधु शामिल हुए। अंत में आयोजन सहयोगी महेन्द्र जैन ने सभी आगंतुकों, सहभागियों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से करने का संकल्प लिया। यह आयोजन जैन समाज की करुणा, सेवा और संवेदनशीलता का सजीव उदाहरण बनकर उभरा। इसमें न केवल जीवों के प्रति दया भाव झलका, बल्कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सेवा भावना का संदेश भी गया।

नगर विधायक का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया सम्मान

सागर। ब्राह्मण समाज के भवन हेतु भूमि एवं भवन निर्माण हेतु 70लाख रुपए प्रदान किए जाने हेतु नगर विधायक श्री शैलेन्द्र जैन का पुरोहित पुजारी विद्वत संघ द्वारा विधायक निवास पर शुक्रवार को भगवान परशुराम जी की प्रतिमूर्ति,शाल श्रीफल एवं रुद्राक्ष मालाओं से स्वागत सम्मान किया गया।इस अवसर आह्लादित हृदय से विधायक शैलेन्द्र जैन जी ने कहा कि ब्राह्मण समाज सनातन धर्म का ध्वज वाहक और मार्गदर्शक कहलाता है ये वो समाज है जो धर्म संस्कृति को जाग्रत किए हुए है ये समाज सबका कल्याण चाहता है आज सनातनधर्म यदि पुन: विस्तार कर रहा है तो इसका श्रेय ब्राह्मण और खासकर पुजारी पुरोहितों को ही जाता है और इनकी आवश्यकता की पूर्ति करना एक जनप्रतिनिधि का दायित्व होता है जो मैने एक छोटे से सहयोग के साथ पूर्ण करने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर पं.प्रमेंद्र (गोलू)रिछारिया ने बताया कि भवन निर्माण का भूमिपूजन भी हम शीघ्र करने जा रहे है वैदिक विद्वानों द्वारा मुहूर्त भी निकाल लिया गया है क्षेत्र के सभी संत महंतों के सानिध्य में और विप्र शिरोमणि वरिष्ठ विधायक पं.गोपाल भार्गव के मुख्य आतिथ्य व विधायक शैलेन्द्र जैन की अध्यक्षता में 28 मार्च सोमवार को सायं 4बजे से भूमिपूजन का

कार्यक्रम रखा गया है नगर के प्रत्येक विप्र परिवार से विप्रजन की उपस्थिति सुनिश्चित करने संपर्क भी चल रहा है। युवा सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं.भरत तिवारी ने कहा कि विगत कई वर्षों से ब्राह्मण समाज के भवन को लेकर चर्चा चल रही थी कई बार तो निर्माण हेतु राशि तक घोषित की गई पर जमीन के अभाव कार्य प्रगति पर नहीं आ पाया था अब नगर विधायक जी द्वारा वो भी कमी पूर्ण कर दी गई है शीघ्र ही समाज का भवन तैयार होने वाला है।पुरोहित पुजारी विद्वत संघ के अध्यक्ष पं.शिवप्रसाद तिवारी ने कहा हम आज विधायक जी का आभार व्यक्त करते हुए गौरवान्वित भी हैं जनप्रतिनिधि ऐसा ही होना चाहिए जो हर वर्ग हर समाज का ध्यान रखे ये योग्यता हमने अपने विधायक जी में बखूबी देखी है।शिवसेना के उपराज्य प्रमुख पं.पप्पू तिवारी ने कहा कि समाज का भवन बनने से गरीब ब्राह्मणों को मांगलिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों को करने में सुगमता होगी।संघ के महामंत्री पं.रामचरण शास्त्री ने कहा कि जो धर्म और संस्कृति को लेकर चलता है वो नेता कभी पराजित नहीं होता ये गुण हमने अपने जनप्रतिनिधि में बखूबी देखें है। इस अवसर पर विधायक निवास पर पं.बालमुकुंद शास्त्री,डॉ.देवेंद्र गुरु, पं. भगवतकृष्ण शास्त्री,पं.उमाकांत गौतम, पं.रघु शास्त्री,पं. शिवनारायण गोस्वामी ,पं.ज्वालाप्रसाद रिछारिया, पं.गोलू तिवारी, पं.दिनेश पांडेय, पं.अमित कटारे, डॉ रामचन्द शर्मा, पं.रानू तिवारी,पं.नंदन पाण्डेय,पं.महेश दुबे,पं.जयदीप चौबे, पं.दुर्गेश दुबे,पं.प्रवीण रिछारिया सहित बड़ी संख्या में पुजारी पुरोहित एवं विद्वत जन उपस्थित रहे।

सेन जी महाराज की जन्म जयंती के अवसर पर सेन समाज भवन में कार्यक्रम का आयोजन हुआ

महापुरुष किसी समाज विशेष के नहीं बल्कि समग्र समाज के है- शैलेंद्र कुमार जैन विधायक

सागर। सेन जयंती के अवसर पर अंबेडकर वार्ड स्थित संत श्री सेन जी महाराज मंगल भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र कुमार जैन,कार्यक्रम अध्यक्ष राजेश्वर सेन उपस्थित थे, कार्यक्रम में सेन जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण

साधु संतों को हमने अपनी सुविधा के अनुरूप बांट लिया है पर वो समग्र समाज के है,महापुरुषों और साधु संतों को किसी जाति विशेष में बांटना न्याय संगत नहीं है वो हम सभी के है,उनकी स्मृतियां अक्षुण्ण बनी रहे,सेन जी महाराज की स्मृति में हमने यह 40 लाख रुपए की लागत से मंगल भवन बनाया है,मेरी इच्छा है कि इस भवन में एक वाचनालय भी बनाया जाए जिसमें हमारे महापुरुषों की जानकारी के साथ साथ अन्य जानकारियों की पुस्तके उपलब्ध कराई जाए ताकि हमारी युवा पीढ़ी इन मंगल भवनों का लाभ ले सकें इसमें बच्चों को समाज के सेवानिवृत्त शिक्षकों द्वारा सेवा देकर सहयोग किया जाए बेटियों को ब्यूटी पार्लर और अन्य तरह का प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर स्वावलंबी बनाया जाए,उन्होंने इन मंगल भवनों में अपनी ओर से कुर्सियां,बर्तन और साउंड सिस्टम उपलब्ध कराने की बात कही ताकि वे गरीब परिवार जो मंगल भवनों का किराया भी नहीं दे सकता वह टेंट और साउंड की राशि कहां से दे सकेगा,उन्होंने कहा कि हमे अपने बच्चों को आज शिक्षा के साथ साथ संस्कार जरूर दे ताकि वे अपनी संस्कृति को पहचान सके,कार्यक्रम को सेन समाज के प्रदेश अध्यक्ष राजेश्वर सेन ने संबोधित किया,इस अवसर पर मुख्य रूप से बालकिशन सेन, श्रीकांत सेन,अनिल सेन, दिनेश सेन, संतोष सेन,राजकुमार सेन, गजराज सेन,ममता सेन,विनोद सेन सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

महिला जैन मिलन नेमीनगर शाखा दमोह की मासिक बैठक सम्पन्न

दमोह। महिला जैन मिलन नेमीनगर शाखा दमोह क्षेत्र क्रमांक 10 अप्रैल माह की मासिक बैठक, शपथ ग्रहण और सम्मान समारोह वीरांगना सीमा बाबा जैन के निवास पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के रूप में महावीर प्रार्थना से हुआ। दीप प्रज्वलन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। शाखा की वीरांगनाओं द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। संचालन वीरांगना डॉली जैन ने किया। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात 2025-26 सत्र की नवीन कार्यकारिणी को मुख्य अतिथि वीर आर.के. जैन ने शपथ दिलवाई। सभी पदाधिकारी ने महिला जैन मिलन नेमी नगर शाखा दमोह को कुछ नई गतिविधियों एवं क्रियाकलापों के बारे में बताया और सभी ने आगामी समय में क्या-क्या कार्य करने हैं उनके बारे में बताया और नए अध्यक्ष मंत्री और कोषाध्यक्ष और प्रचार मंत्री को किस तरह और कैसे टीम बनाकर कार्य करना चाहिए उसके बारे में भी समझाया। कार्यक्रम के अंत में वीरांगना कोषाध्यक्ष दिशा जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समापन अरिहंत स्तुति के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अति वीर आरके जैन, राष्ट्रीय संयोजक अति वीर ऋषभ जैन जी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अति वीर दिलेश जैन ,क्षेत्रीय मंत्री अति वीरांगना कविता ऋषभ जैन, क्षेत्रीय संयोजक वीरांगना शोभा जैन, पूर्व अध्यक्ष वीरांगना सीमा दिगंबर जैन, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई कार्यक्रम में अध्यक्ष वीरांगना सीमा बाबा, मंत्री वीरांगना डॉली जैन, कोषाध्यक्ष वीरांगना दिशा जैन, वीरांगना पदमा जैन, वीरांगना रागिनी जैन, वीरांगना सीमा पारस जैन, वीरांगना सविता जैन, वीरांगना संध्या जैन, वीरांगना राखी जैन, वीरांगना रोशनी जैन, वीरांगना सुधा जैन, वीरांगना संगीता जैन, वीरांगना बृजेश जैन, वीरांगना शिल्पी जैन की उपस्थिति रही।

पंच परिवर्तन से होगा समाज परिवर्तन, शाखा संगम कार्यक्रम संपन्न

दमोह। नगर के एक्सीलेंस ग्राउंड में शाखा संगम कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें संघ रचना के अनुसार दमोह की 20 बस्तियां मैं अलग-अलग लगने वाली 21 शाखाओं का आज एक्सीलेंस ग्राउंड में शाखा संगम किया गया दमोह नगर की अलग-अलग बस्ती में लगने वाली 21 शाखाएं एक साथ एक स्थान पर लगाई गई इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान ब्रजकांत जी, प्रांत प्रचारक महाकौशल प्रांत का सभी स्वयं सेवकों को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया जब डॉक्टर साहब का अंतिम समय चल रहा था तो उनके उपचार के लिए उनकी रीड की हड्डी से खून निकाला गया तो वह खून पानी बन चुका था, डॉक्टर साहब का मानना था जिस प्रकार देश के लिए शहीद होना बड़ा कार्य है उसी प्रकार देश के लिए प्रतिदिन जीना प्रतिदिन मरना उससे भी बड़ा कार्य, एक उदाहरण देते हुए बताया जब डॉक्टर साहब को पता

चला उनका एक स्वयंसेवक अस्वस्थ है जब वह उसको देखने जा रहे थे तब किसी ने उनसे पूछा आप कहां जा रहे हैं उनका जवाब था देवदर्शन करने जा रहा हूं अर्थात वह अपने हर स्वयं सेवक को देवता समान मानते थे, जिस प्रकार गंगा, जमुना, सरस्वती का संगम होता है उसी प्रकार आज नगर दमोह के द्वारा सभी शाखाओं का संगम एक स्थान पर हुआ है, अब हमको मन भी एक करने होंगे, तभी हम समाज में सामाजिक समरसता का भाव जागरण कर सकेंगे, हाल ही में हुई पहलगांव घटना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया जिस प्रकार आतंकवादियों ने गोली मारते समय किसी की जाति नहीं पूछी कि वह किस जाति से है, कौन है, उन्होंने सिर्फधर्म पूछा और गोली मार दी, बंगाल में मुर्शिदाबाद में किसी की जाति देखकर हमला नहीं हुआ, उनकी नजर में सिर्फऔर सिर्फआप काफ़िर हैं, जब पहली जनगणना 1870 में हुई तब जनगणना फार्म पर सिखों के लिए अलग से कोई कालम नहीं था हम एक थे, लेकिन जब दूसरी जनगणना 1881 में हुई तब फूट डालते हुए फॉर्म पर सिखों के लिए अलग से कालम जोड़ा गया, और धीरे-धीरे समय-समय पर फॉर्म पर और भी जातियों के कालम जोड़े गए, अंग्रेजों द्वारा समाज को बांटने के लिए सेना में भी जाती आधारित सिख रेजीमेंट, कुमायूं, गोरखा, जाट, राजपूत राइफल्स रेजिमेंट इत्यादि बनाई गई, विश्व में शांति स्थापित करने के लिए पर्यावरण बचाने के लिए हिंदुत्व का होना अति आवश्यक है, जब इस्लाम आया उन्होंने तलवार की दम पर धर्म परिवर्तन कराया, ईसाइयत आई उन्होंने भी धर्म परिवर्तन कराया, एक हम हैं हमने कभी किसी को धर्म परिवर्तन करने लिए विवश नहीं किया, हिंदुत्व हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया। की कामना करता है। अंत में पंच परिवर्तन पर चलने की बात कही सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, स्व का बोध, नागरिक कर्तव्य, यह पांच परिवर्तन समाज में होने चाहिए तभी समाज का परिवर्तन होगा, संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष पर संघ की गणवेश में बड़े-बड़े कार्यक्रम मंडल/बस्ती पर होने की बात भी कहीं गीत की पंक्ति के साथ अपना उद्बोधन को पूर्ण किया।

» न्यूज कैप्सूल »

साहित्यकार डॉ. रमाकांत निगम सम्मानित

कटनी। लोकप्रिय वरिष्ठ साहित्यकार डॉ रमाकांत निगम को विगत पांच दशकों से उनके साहित्यिक एवं कला संस्कृति योगदान के लिए श्री सत्य इंद्रा फाउंडेशन संस्थान जयपुर राजस्थान द्वारा श्री रविन्द्र नाथ टैगोर अंतर्राष्ट्रीय कला एवं साहित्य सम्मान से सम्मानित कर समान पत्र, ट्रॉफी मैडल प्रदान किया गया है। संस्थान द्वारा डॉ रमाकांत निगम को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए समृद्ध भारत की विकास यात्रा में सतत साहित्यिक एवं कलात्मक योगदान की अपेक्षा की है। डॉ रमाकांत निगम को सम्मानित किए जाने पर कला, साहित्य एवं पत्रकारिता जगत की हस्तियों एवं सामाजिक संस्थाओं ने बधाई दी है।

मजदूर संघ ने आतंकी घटना में मारे गए नागरिको को दी श्रद्धांजलि

पिपरिया। नगर के न्यू गल्ला मंडी के सभागार में मजदूर संघ ने आगामी मजदूर दिवस को लेकर बैठक रखी गई। जिसमें देश में हुए अत्यंत दुखित घटनाक्रम को देखते हुए। आगामी कार्यक्रम एक मई मजदूर दिवस को लेकर चर्चा की गई। बैठक में आतंकी घटना से मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि एक मई मजदूर दिवस के बड़े कार्यक्रम को रद्द कर बिना कोई हर्षोउल्लास के कार्यक्रम को छोटे स्तर से मनाया जायेगा। इस दौरान मजदूर संघ के महेश,अशोक रघुवंशी,माधोसिंह रघुवंशी, रामभरोश अहिरवार, सतीश केवट, देवेन्द्र,सरदार रघुवंशी,राकेश केवट सहित मजूदर संघ के पदाधिकारी व मजदूर साथी मौजूद रहे।

जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक सम्पन्न

रतलाम। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 25 अप्रैल को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभुलाल रघुवंशी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री श्रृंगार श्रीवास्तव, शंभुलाल रघुवंशी, श्री डी.पी. धाकड सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इस दौरान पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। पश्चात् 15 वें वित्त की राशि से वर्ष 2025-26 के लिए जिला पंचायत विकास की योजना तैयार की गई। वर्ष 2024-25 की जिला पंचायत विकास योजना में आवश्यक संशोधन को मंजूरी दी गई। साथ ही पांचवें वित्त की कार्ययोजना भी सर्वसम्मति से पारित की गई। गत वर्श के आय-व्यय को सामान्य सभा द्वारा अनुमोदित किया गया।

सीएमएचओ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की

रतलाम। सीएमएचओ डॉ. संध्या बेलसरे ने जिला चिकित्सालय स्थित सीएमएचओ कार्यालय में सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र हितग्राहियों के वय वंदना आयुष्मान कार्ड बनाने, भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार मंडल के पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने, धरती आभा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना के पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण करने, पोस्टमार्टम, एमएलसी एवं प्री एमएलसी की रिपोर्ट ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रस्तुत करने, जिले में गर्भवती माता के विरुद्ध संस्थागत प्रसव की स्थिति, अनमोल सॉफ्टवेयर में गर्भवती एवं शिशुओं के टीकाकरण की स्थिति, मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना के लाभार्थियों की स्थिति, डिलीवरी अपडेशन की स्थिति, टीकाकरण के कवरेज, परिवार कल्याण कार्यक्रम, आनंद दिवस, मातृ एवं शिशु मृत्यु की ऑनलाइन प्रविष्टि की समीक्षा आदि की समीक्षा कर सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

डॉ.राकेश मिश्र जी द्वारा वृक्षारोपण का सराहनीय अभियान चलाया जा रहा है: सुरेश गुप्ता

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास का पुनीत का वंदनीय है- मनोज गुप्ता
लिए गए संकल्प को गांधी पार्क रहिवासियों ने किया पूरा: राजेश त्रिपाठी नीलू

सतना। डॉ राकेश मिश्र अध्यक्ष पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा नगर को प्रदूषण मुक्त करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान 'अपना सपना -हरा भरा सतना' अभियान के अंतर्गत गांधी पार्क, शीतला माता मंदिर, नई खोवा मंडी अस्पताल रोड में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

लिए गए संकल्प को गांधी पार्क रहिवासियों ने किया पूरा- राजेश त्रिपाठी नीलू सेवा न्यास के मीडिया प्रमुख राजेश त्रिपाठी नीलू ने बताया है कि पौधारोपण में प्रमुख रूप से कदम, बेल, शमी एवं फलदार पौधारोपण किया गया।गांधी पार्क के रहवासियों ने विगत दिवस पूर्व अपने अपने परिवार जनों की पुण्य स्मृति में पौधारोपण करने का संकल्प लिया था। इस संकल्प को पूरा किया जा रहा है।

गांधी पार्क में निवास करने वाले सुरेश कुमार गुप्ता ने पौधारोपण करते हुए कहा कि अपना सपना हरा-भरा सतना अभियान में 6 फिट का पेड़ एवं ट्री गार्ड सहित पौधारोपण किया जाता है, जिससे पेड़ पूरी तरह सुरक्षित रहता है ग्रीन एंबुलेंस के द्वारा पांच साल तक इसकी सेवा न्यास द्वारा की जाती है देख रेख पालन पोषण भी पुत्रवत किया किया जाता है। नगर के प्रतिष्ठित पुस्तक विक्रेता मनोज गुप्ता (सौरभ विद्या केंद्र) के द्वारा अपने माता-पिता जी की पुण्यतिथि पर आज पौधारोपण किया गया।

इस दौरान सेवा न्यास के कार्यों की सराहना करते हुए मनोज गुप्ता ने अपने प्रेरणादायक शब्दों में कहा कि पेड़ लगाना व उसकी सेवा करना सराहनीय कार्य है।

इनकी रही उपस्थिति

मनोज गुप्ता, राजेश गुप्ता, अजय गुप्ता, संतोष गुप्ता, शशांक गुप्ता, सौरभ गुप्ता, गौरव गुप्ता, निधि गुप्ता, प्रियंका तिवारी, संतु तिवारी, प्रदीप गुप्ता, संगीता गुप्ता, सुमिशा गुप्ता, राधारानी गुप्ता, वंदना बागरी, राजीव व्यास, राजेंद्र मिश्रा, बी.एल. नामदेव, अनिल सैनी, विजय सिंह पटेल, राजेश त्रिपाठी नीलू एवं सेवा न्यास कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खदान की मिट्टी धंसकने से महिला श्रमिक की मौत

बड़वारा में डोलोमाईट का अवैध उत्खनन जोरो पर, नही लग पा रहा अंकुश

कटनी। बड़वारा थाना क्षेत्र में भदावर खदान की मिट्टी धसकने से महिला श्रमिक की मौत हो गई। हादसे के बाद महिला को शासकीय जिला चिकित्सालय लाया गया। डॉक्टरों की टीम ने महिला को मृत घोषित कर दिया। जिले के बड़वारा क्षेत्र में डोलोमाईट की प्रचुर संपदा धरती की कोख में दबी हुई है जिसका अवैध उत्खनन पिछले कई वर्षों से जोरो पर है।

क्षेत्र में कम संख्या में वैध तो बड़ी संख्या अवैध खदानें चल रही है। जिसमे हर रोज कोई न कोई घटना प्रकाश में आती है। खनिज माफिया द्वारा अवैध भंडारण कर सरकार के राजस्व को नुकसान तो लगाया ही जा रहा इसके अलावा खदान में काम करने बाले मजूदरों की सुरक्षा को भी ताक पर रखा जा रहा हैं। और जिला प्रशासन आंखे मूंदे सब कुछ चुपचाप देख रहा है। खदान धंसने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर जांच - पड़ताल शुरू कर दी है। भदावर के चुटकाहई ग्राम में डोलामाइट में खदान का रूफ मिट्टी गिरने से वहां काम कर रही सुनीता बाई पति तीरथ सिंह गौड़ (50) की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब खदान के अंदर काम चल रहा था और भी कर्मचारी मौजूद थे। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोग पहुंचे और एक निजी वाहन से लेकर जिला चिकित्सालय ले जाया गया। यहां पर महिला मजदूर को मृत घोषित कर दिया। शव को पीएम के लिए रखवाया गया है।

बड़वारा थाना अंतर्गत भदावर खदान में हादसा

बताया जा रहा है कि यह खदान हैदराबाद की एक कंपनी की है, जिसे कटनी निवासी संकल्प शुक्ला ने लीज पर लिया है। स्थानीय मजदूरों का आरोप है कि खदान में सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी की जा रही थी। मजदूरों से बिना किसी सेफ्टी उपकरण के काम करवाया जा रहा था, इससे उनकी जान को हर रोज़ खतरा बना रहता है। हादसे की खबर मिलते ही बड़वारा थाना प्रभारी केके पटेल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च दी श्रद्धांजली

पिपरिया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम जिले में बेशनार घाटी में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों से उनका धर्म पूछ पूछकर पर्यटकों पर कायरतापूर्ण हमले किए गोलियां चलाई जिसमें मध्यप्रदेश,महाराष्ट्र,हरियाणा सहित देश के विभिन्न राज्यों के 27 निर्दोष भारतीय पर्यटकों की जान चली गई। दिवंगत भारतीय पर्यटक नागरिकों को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पिपरिया,मटकुली द्वारा आयशा आर्केड के सामने से सुभाष चौक मंगलवारा बाजार तक कैंडल मार्च निकालकर कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं एवं नगर के गणमान्य नागरिक बंधुओं ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा के सामने दो मिनिट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस आतंकी घटना से आक्रोशित कांग्रेस नेताओं ने आतंकवाद विरोधी एवं पाकिस्तान विरोधी नारे भी लगाए। इस अवसर पर कांग्रेस नेता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शरद चौधरी,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मटकुली रमेश पटेल,वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रकाश मंडलोई,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सीमा कटकवार,महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष संध्या शाह,वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोपाल गांगुड़ा,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हरीश बेमन,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी ममता नागोत्रा,प्रदीप जैन,धर्मेन्द्र सिंह नागवंशी,युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष प्रशांत पालीवाल,दीपसिंह छाबड़ा,अरविंद साहू,पूर्व पार्षद रज्जाक खान,जिला समन्वयक आई टी सेल कमलेश साहू,कमलेश ठाकुर,अनिरुद्ध राठी,राजेन्द्र सोनिया,योगेश मुरलीवार,शशि रावत सहित कांग्रेस नेताओं ,कार्यकर्ताओं सहित नागरिक बंधुओं ने पहलगांव आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सभी मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बारातियों से भरी पिकअप पलटी, एक की मौत, 25 घायल

कटनी। जिले के बड़वारा थाना अंतर्गत नेगवां के पास बारातियों से भरी एक पिकअप पलट गई। हादसे में पिकअप सवार 25 लोग घायल हो गए जबकि एक की मौत हो गई। घायलों का इलाज जिला चिकित्सालय में जारी है। घटना के संबंध में सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक बड़वारा थाना अंतर्गत ग्राम बिजौरी से गौंटिया परिवार की पुत्री का तिलक लेकर परिजन पिकअप में सवार होकर कटनी में आरटीओ ऑफिस के पास मझगवां फाटक जा रहे थे। गुरुवार 24 अप्रैल की रात लगभग आठ बजे ग्राम नैगवां के समीप सड़क पर बैठी भैंस को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार से जा रही पिकअप पेड़ से जा टकराई और पलट गई। इस घटना में पिकअप सवार चालक सहित सभी घायल हो गए। जिन्हें बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत होने की भी खबर सामने आई है। घटना में घायल हुए लोगों एवं मृतक का नाम खबर लिखे जाने तक सामने नहीं आ सका।

गौवंश की तस्करी कर रहे आरोपियो को पुलिस ने पकडा

आरोपियो के कब्जे से 12 गौवंश बछड़े सुरक्षित बचाए

पिपरिया। नगर के पचमढी रोड से गौवंश की तस्करी कर ले जा रहे आरोपियो को स्टेशन रोड पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पकडा। वही आरोपियो के कब्जे से 12 नग गौवंश को छुडाकर बारीदेवी गौशाला पहुंचाया गया। गौवंश की तस्करी रोकने एवं तस्करों को पकड़ने हेतु पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र के निर्देश पर एसडीओपी मोहित कुमार यादव के द्वारा थाना प्रभारी स्टेशन रोड़ विजय सनस के नेतृत्व में थाना स्टेशन रोड़ पुलिस की एक टीम गठित कर अवैध गौ तस्करी करने वालों को पकड़ने हेतु लगाया गया था। उक्त टीम के द्वारा शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर गौरक्षा दल के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर ज्योति ढ़ावे के सामने पचमढ़ी रोड से तीन आरोपी के 12 नग बछड़े सुरक्षित बचाए गए। उक्त गौवंश बछड़ो को गौशाला बारीदेवी मे सुरक्षित पहुंचाया गया। आरोपी गोकल पिता जुगराज सिंह परतेति 65 वर्ष,सुमेर सिंह पिता बृज लाल परतेति 35 वर्ष, धीरन पिता सतराजी परतेति 22 वर्ष तीनों निवासी ग्राम धोवीबाड़ा थाना तामिया जिला छिंदवाड़ा के विरुद्ध धारा 4,6,9 म. प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004/11 पशुओ के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम 1660 का कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों से पूछताछ कर गौवंश के मुख्य तस्कर के बारे मे जानकारी एकत्रित कर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। पुलिस टीम में सउनि महेंद्र ओनकर,रवीश बोहर,साजिद अली, मनोज करोवे, प्रदीप यादव, दुर्गेश लोधी, प्रदीप सोनी, सतीश पटेल, राधेश्याम, लोकेश शिल्पी, नरेश मलिक, ईशिका दुब,निधी तिनगुरिया, सेनिक खरगराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भाजपा ने निकाला कैंडिल मार्च दी श्रद्धांजलि

पिपरिया। बनखेडी में भाजपा ने कैंडिल मार्च निकालकर जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी हमले में शहीद हुए नागरिको को श्रद्धांजली दी। भाजपा के विधायक ठाकुरदास नागवंशी के नेतृत्व में बनखेडी के मुख्य चौराहे से केंडिल मार्च निकाला गया जो कि मुख्य मार्गो से होते हुए पुराने स्टेट बैंक स्थित श्रद्धांजली सभा स्थल में जाकर संपन्न हुआ। सभा स्थल पर जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए नागरिको को दो मिनिट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक ठाकुरदास नागवंशी,नगरपरिषद अध्यक्ष हरीश मालानी,हरीओम मेहरा,मुकेश सराठे,मंडल अध्यक्ष भागवती पटैल,रमेश पटैल,महेश सोनी,अटल राय,राधाकृष्ण मुकाती,रामबाबू सहित भाजपा के पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता बडी संख्या में मौजूद रहे।

शिविर के अलावा निगम कार्यालय में होगी निशुल्क ई-के.वायसी

लोगों की सुविधा के लिए निगमायुक्त ने जारी किया आदेश

कटनी। नागरिकों को अब समग्र ई-केवाईसी कराने की सुविधा शिविर के साथ-साथ अब नगर निगम के संपत्तिकर जलकर, विविध काउंटर सहित जन्म मृत्यु शाखा विवाह पंजीयन, ट्रेड लाइसेंस खाद्य शाखा, पेंशन शाखा, संबल शाखा, प्रधानमंत्री आवास योजना कार्यालय सहित नगरीय सुविधा प्रदान करने वाले अन्य काउंटर से प्राप्त की जा सकेगी।

इस संबंध में निगमायुक्त नीलेश दुबे ने एक आदेश जारी कर संबंधित शाखा प्रमुखों को विभागीय कार्य संपादन के साथ-साथ उनकी शाखा में आने वाले नागरिकों से समग्र ई-केवाईसी के संबंध मे जानकारी प्राप्त कर नहीं होने पर ई-के.वाय.सी का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए है।

निगमायुक्त श्री दुबे ने विभागीय अधिकारियों को इस कार्य हेतु पृथक से रजिस्टर संधारित कर दैनिक प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराने तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करने हेतु निर्देशित किया है।

कार्यालय नगर पालिका पिपरिया, जिला-नर्मदापुरम् (म.प्र.)
Municipal Council Pipariya Distt-Narmadapuram

पं.दीनदयाल उपाध्याय पार्क के बाजू में, तिलक वार्ड, पिपरिया
फोन न. 07576-222041
पिन-461775
EMail- cmopipariya@mpurban.gov.in

क्रमांक. 55/न.पा./राजस्व/2025 पिपरिया दिनांक:- 22.04.2025

द्वितीय ई- निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद पिपरिया के अधिन नगर पालिका पुराने भवन में पड़े हुये लोहे के पुराने कबाड़े को बेचा जाना है जिस हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है विवरण तालिका में वर्णित है।

क्र.	निविदा क्रमांक जारी दिनांक	सामग्री का विवरण	सामग्री मात्रा	धरोहर राशि	निविदा फार्म शुल्क	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_418231_1 Publish Date_23.04.2025	फायर बिग्रेड 9406 (छोटी) अशोक लीलैंड	1	20000 /-	5000/- + GST	29.04.2025
2		टिपर कार्बो	1			
3		टाटा मेंद्या	8			
4		टाटा मेक्सिमों	1			
5		मढपंप	1			
6		जनरेटर	3			
7		कटेनर उठाने वाला स्ट्रेक्चर	2			
8		टीन	30			

नोटः- 1. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, पिपरिया

कार्यालय नगरपालिक निगम, कटनी (म.प्र..)

क्रमांक: 40/लो.नि.वि./निर्माण/2025 कटनी, दिनांक: 08/04/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पजीकृत ठेकेदारों सेऑन लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https:/mptenders.gov.in वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर कमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत रूपयें में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू.यें में एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_417321-1	फारेस्टर वार्ड क्र0 33 में मेंहदी बंगला के सामने रोड निर्माण (विधायक निधि)	45 Days 321744/-	2.000/- 3218/-	15/05/2025
2	2025_UAD_417321-2	वीर सावरकर वार्ड क. 12 के संतनगर में व्यायाम शाला निर्माण कार्य (विधायक निधि)	90 Days 848500/-	2.000/- 8485/-	15/05/2025
3	2025_UAD_417321-3	घंटाघर में आर.सी.सी. शेड निर्माण कार्य(विधायक निधि)	45 Days 519798/-	2.000/- 5198/-	15/05/2025
4	2025_UAD_417321-4	कटनी नदी पुल का स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण	90 Days 2119407/-	2.000/- 15896/-	15/05/2025

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार से संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https:/mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
(वास्ते-आयुक्त)
नगरपालिक निगम, कटनी

ब्रीफ न्यूज

आयकर विभाग देश के 45 शहरों में लगाएगा रोजगार मेला

इंदौर में बीसीसी में लगेगा मेला, 1000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटेंगे, ऑनलाइन जुड़ेंगे प्रधानमंत्री मोदी

भोपाल। आयकर विभाग द्वारा 26 अप्रैल को इंदौर सहित देश के 45 शहरों में रोजगार मेला लगाया जाएगा। इंदौर में यह मेला ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में लगेगा। इस मेले में 100 से ज्यादा कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस मेले में ऑनलाइन जुड़ेंगे और संबोधित करेंगे।

रोजगार मेले का आयोजन स्थानीय स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा किया जाता रहा है। इस तरह का मेला जब भी लगाया जाता है तो उसमें बहुत सारे उद्योग और कंपनियों को बुलाया जाता है। मेले के माध्यम से शिक्षित बेरोजगार युवाओं को इन उद्योग, कंपनी में नौकरी दिलाने की कोशिश की जाती है। अब तक चलने वाली इस परंपरा से अलग हटकर इस बार केंद्र सरकार द्वारा आयकर विभाग के माध्यम से रोजगार मेले का आयोजन करवाया जा रहा है। यह मेला 26 अप्रैल को एक साथ एक ही दिन देश के 45 शहरों में आयोजित किया जाएगा।

इस मेले का आयोजन करने से पहले केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न केंद्रीय विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती करने के लिए अभियान चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से परीक्षा आयोजित कर पूरी प्रक्रिया करते हुए विभिन्न पदों पर भर्ती की गई। भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब विभिन्न पदों के लिए चयनित किए गए कर्मचारियों को नौकरी ज्वाइन करने के लिए इस रोजगार मेले के माध्यम से नियुक्ति पत्र देने का काम किया जाएगा। इंदौर में यह मेला 26 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे से ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया है।

संदिग्ध गतिविधियों पर खुफिया एजेंसियों की नजर

प्रदेश को स्लीपर सेल मानते सुरक्षित स्थान

भोपाल। पहलगाम आतंकी अटैक को लेकर मप्र पुलिस अलर्ट पर है। इंटेलिजेंस इनपुट के बाद खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई। हर एक संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही। सार्वजनिक स्थानों से लेकर हर जगह पर चेकिंग चल रही। भले ही कोई बड़ी आतंकी घटना प्रदेश में नहीं हुई, लेकिन पिछले कुछ सालों में कई आतंकी संगठनों का खुलासा हुआ और इसी वजह से एनआईए का दफ्तर भोपाल में खोला गया।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद प्रदेश अलर्ट पर है। पुलिस और जांच एजेंसियां सक्रिय हो गई। सार्वजनिक स्थानों से लेकर रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया। इंटेलिजेंस इनपुट के बाद खुफिया एजेंसियों की सक्रियता पहले से ज्यादा बढ़ा दी गई। खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया गया। प्रदेश के रेल एसपी राहुल लोढ़ा ने कहा कि आतंकी घटना के बाद पुलिस अलर्ट पर है। उन्होंने कहा कि स्टेशनों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही।

स्टेशनों के अंदर और आसपास अतिरिक्त बल तैनात किया। यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए डॉग स्क्वॉड जांच कर रहे। रेल परिचालन को सुचारू बनाए रखने के लिए पटरियों की निगरानी भी की जा रही। उन्होंने यह भी कहा कि संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा। हर जगह सामान और व्यक्तियों की जांच की जा रही।

आतंकी हमले के विरोध में आज आधे दिन का बंद

चेंबर ऑफ कॉमर्स का आह्वान, भोपाल के व्यापारिक संगठनों ने किया समर्थन

भोपाल। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में शनिवार को भोपाल आधे दिन बंद रहेगा। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) ने बंद का आह्वान किया था। जिसका शहर के व्यापारिक संगठनों ने समर्थन किया है। चेंबर के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली ने बताया, सभी व्यापारिक संगठनों से सहमति के बाद शनिवार को आधे दिन राजधानी के बाजार बंद रखे जाएंगे। आतंकी हमले के मद्देनजर मृतकों के परिवारजनों के साथ खड़े होने एवं इस निर्मम आतंकी हमले के विरोध प्रदर्शन स्वरूप यह बंद बुलाया है।

शनिवार दोपहर 12 बजे व्यापारी मृतकों को श्रद्धांजलि भी देंगे। कोहेफिजा स्थित ऑफिस में कार्यक्रम रखा गया है। न्यू मार्केट व्यापारी संरक्षण समिति ने बंद के आह्वान का समर्थन किया है। अध्यक्ष सतीश कुमार गंगराड़े समेत पवन वरदानी, प्रदीप कुमार गुप्ता और अजय देवनानी ने बताया कि सभी व्यापारियों की सहमति के बाद बंद रखने का निर्णय लिया है। पुराने भोपाल के कारोबारियों ने भी बंद का समर्थन करते हुए दुकानें आधे दिन तक बंद रखने का निर्णय लिया है।

विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने एमपीएसआईडीसी के संचालक मंडल की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विक्रम उद्योगपुरी को मेगा इन्वेस्टमेंट जोन के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर विचार किया जाए। उज्जैन में आईटी पार्क के द्वितीय चरण का कार्य समय सीमा निर्धारित कर पीपीपी मोड पर तत्काल आरंभ किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएसआईडीसी) के संचालक मंडल की बैठक में निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने औद्योगिक कम्पनियों को दीर्घकालीन, अल्पकालीन ऋण, पूंजीगत सब्सिडी आदि के रूप में दी जाने वाली वित्तीय सहायता के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए ऋणों की वसूली की स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री राघवेन्द्र सिंह तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कार्पोरेशन के प्रबंधकीय तथा लेखा संबंधी विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

अब अनुकंपा नियुक्ति के लिए नहीं पड़ेगा भटकना

मोहन सरकार ने 'अनुकंपा' नाम से तैयार किया पोर्टल

भोपाल। मप्र में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आश्रित परिवारों को सरकारी विभागों के चक्कर नहीं काटने होंगे। अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया आसानी से पूरी हो जाए और आश्रित को भटकना न पड़े इसके लिए राज्य शासन द्वारा एक नया ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया गया है। इसके जरिए आश्रितों को जल्द से जल्द अनुकंपा नियुक्ति का लाभ मिल सकेगा। इस पोर्टल में हर जिले के अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों को अपलोड किया जाएगा। साथ ही पोर्टल पर विभागों में खाली पदों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इससे यह पता लगाना आसान होगा कि किस विभाग में कितने पद खाली हैं, जहां अनुकंपा नियुक्ति की जा सकती है।

सरकार की नई व्यवस्था से अनुकंपा नियुक्ति से जुड़ी 100 फीसद प्रक्रिया ऑनलाइन की जा रही है। इस पर परिजनों द्वारा आवेदन से लेकर सुनवाई और पात्रता पूरी करने वाले परिवार के सदस्य को नियुक्ति आदेश सब कुछ ऑनलाइन ही जारी किए जाएंगे। अब मृत शासकीय सेवकों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति देने से जुड़े मामलों में बाबू हो या अफसर, कोई भी अड़ंगे नहीं लगा पाएंगे। यदि तय अवधि के बाद फाइलें रोकी तो उसे कार्रवाई के दायरे में लिया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश के बाद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की एमपीएसईडीसी ने अनुकंपा नियुक्ति संबंधी ऑनलाइन पोर्टल बना दिया है। सभी अपर मुख्य सचिव, मुख्य सचिव, सचिव, उप सचिव और विभाग प्रमुखों को इसकी सूचना भी दी है। यही नहीं, इस पोर्टल को उपयोग करने संबंधी प्रशिक्षण भी दे दिया है। फिलहाल यह प्रशिक्षण विभाग प्रमुखों को दिया है।

बिजली कंपनी ने बढ़ाया साढ़े सात गुना टेस्टिंग शुल्क

सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम लगाना उपभोक्ताओं पर पड़ेगा भारी

भोपाल। मप्र में सरकार एक तरफ सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है ताकि लोग अपने घर, ऑफिस आदि पर सोलर पैनल लगाकर बिजली का उत्पादन कर सके। वहीं दूसरी तरफ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम में लगने वाले टेस्टिंग शुल्क में साढ़े सात गुना बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी उपभोक्ताओं के लिए एक चुनौती है, क्योंकि इससे नेट मीटरिंग सिस्टम लगाने की लागत बढ़ जाएगी। दरअसल, नेट मीटरिंग एक ऐसा सिस्टम है जो सोलर पैनल द्वारा उत्पादित बिजली को आपके घर की बिजली की खपत से समायोजित करता है। यदि आपके सोलर पैनल आपके घर की बिजली की खपत से अधिक बिजली पैदा करते हैं, तो अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजी जाती है और आपको इसके लिए क्रेडिट मिलता है।

सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम के टेस्टिंग शुल्क की बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं को सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम लगाने की लागत बढ़ जाएगी। इससे सोलर ऊर्जा को अपनाने में परेशानी हो सकती है। हालांकि मप्र में सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम पर सरकारी सब्सिडी भी उपलब्ध है, जो कि इस लागत को कम करने में मदद करती है। लेकिन मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. ने टेस्टिंग शुल्क में बढ़ोतरी करके सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम को और महंगा बना दिया है, जिससे उपभोक्ताओं को नुकसान हो सकता है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. ने टेस्टिंग शुल्क बढ़ाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि लागत में वृद्धि, या फिर कंपनी के वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करना।

योजना पर लगाया जा रहा पलीता

गौरतलब है मप्र में सोलर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ रहा है। भोपाल शहर में 1100 मेगावाट सोलर ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है, जिससे 285 लाख पेड़ों के बराबर कार्बन उत्सर्जन कम होगा। सरकार और निगम दोनों सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. भोपाल द्वारा इस योजना पर पलीता लगाया जा रहा है, जिससे सोलर वेंडर अपने कदम पीछे खींच रहे हैं। कंपनी द्वारा सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम में लगने वाले मीटर की टेस्टिंग शुल्क में भारी बढ़ोतरी की गई है, जिससे आहत होकर सोलर वेंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में सोलर वेंडर्स ने लिखा है कि 'मैं मध्यप्रदेश के सभी सोलर वेंडर की ओर से आपसे करबद्ध प्रार्थना करता हूं कि आपके द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु हो रहे प्रयासों में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. भोपाल द्वारा बहुत अधिक व्यवधान उत्पन्न किये जा रहे हैं।'

1680 की बजाय वसूला जा रहा 12450 रुपए

गौरतलब है कि सिस्टम में लगने वाले मीटर की टेस्टिंग शुल्क 1680 रुपये ही लगती आ रही है तथा मध्यप्रदेश के अन्य विद्युत विभाग पश्चिम क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र में भी यही शुल्क निर्धारित है, परंतु मध्य क्षेत्र भोपाल द्वारा 4 अप्रैल 2025 को सर्कुलर जारी कर शुल्क 12450 रुपये कर दिया गया है। जबकि एक 3 किलोवाट के सोलर में बड़ी मुश्किल से 10 से 15 हजार रुपये मुनाफा लिया जा सकता है, लेकिन अगर इस सर्कुलर को माना जाए तो वेंडर को नुकसान कर काम करने से बेहतर व्यापार बंद करना रहेगा या फिर सिस्टम की लागत बढ़ाना पड़ेगी। वर्तमान समय में कस्टमर सिस्टम की लागत को ही ज्यादा कहता है तो रेट कैसे बढ़ा या जाए। सोलर वेंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रार्थना की है कि इस विषय पर संज्ञान लेकर वेंडर का व्यापार बंद होने से बचाने में सहायता करें। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि सोलर नेट मीटर की कीमत ही 5448 रुपए है, जबकि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा टेस्टिंग के नाम पर मीटर की लागत से दोगुनी फीस वसूली जा रही है। यह फीस 12450 रुपए है। सूत्रों के अनुसार विद्युत वितरण कंपनियों को यह अधिकार नहीं है कि विद्युत से संबंधित कोई भी चार्ज बढ़ा सके।

आखिर कहां अटकी है पीडब्ल्यूडी के दागी अफसरों की ईओडब्ल्यू-लोकायुक्त जांच

भोपाल। मप्र के लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर मलाई काट रहे हैं। डिजाइन-ड्राइंग में मनमाने बदलाव, सड? और भवनों के गुणवत्ताहीन निर्माण के मामलों में ढेरों शिकायतें ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त के पास लंबित हैं। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे मध्यप्रदेश के लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर मलाई काट रहे हैं। डिजाइन-ड्राइंग में मनमाने बदलाव, सड? और भवनों के गुणवत्ताहीन निर्माण के मामलों में ढेरों शिकायतें ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त के पास लंबित हैं। कोई जांच 12 साल से चल रही है तो कोई 10 साल से अटकी हुई है। ऐसे 15 से ज्यादा इंजीनियर विभाग में ऊंचे पदों पर काबिज हैं और सरकार में अपने दखल का सहारा लेकर जांचों को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे मामलों में दो से तीन साल में जांच पूरी होने के बाद न्यायालय में सुनवाई शुरु हो जाती है लेकिन विभाग की मेहरबानी से ये एक दशक से भी ज्यादा समय से बचे हुए हैं। आर्थिक अनियमितता, निर्माण में गड़बड़ी की आंच में प्रमुख अभियंता, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री स्तर के तकनीकी अधिकारी भी घिरे हैं। ऐसे अधिकारियों के मामले जांच एजेंसियों में सालों से दबे हुए हैं। शिकायतों के बावजूद इन अधिकारियों पर कार्रवाई तो हुई नहीं उल्टा ये अपने रसूख के सहारे लगातार ऊंचे पदों का प्रभार हासिल करने में कामयाब होते रहे हैं। ऐसे ही दागी अफसरों का दबदबा पीडब्ल्यूडी में कायम है और इसी वजह से घटिया निर्माण, ठेकेदारों से साठगांठ के मामलों में जांच आगे ही नहीं बढ़ पा रही है।

ऊंचे पदों पर भी दागी काबिज

सबसे पहले उन अधिकारियों की बात करते हैं जो निर्माण कार्यों में गड़बड़झालों की शिकायतों से घिरे हुए हैं। इनमें मध्यप्रदेश सड? विकास निगम के मुख्य अभियंता जीपी मेहरा मुख्य हैं। वे पीडब्ल्यूडी में भी मलाईदार भवन विभाग के प्रमुख अभियंता भी रह चुके हैं। मेहरा का विभाग में खासा रसूख है। प्रतिनियुक्ति के दौरान हैदराबाद की श्रीकेएन कम्पनी और ग्वालियर के तोमर बिल्डर्स से चंदेरी-मुंगावली के बीच घटिया सड? निर्माण का आरोप मेहरा पर लगा था। इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस में की गई है। मेहरा पर लगे आरोपों की जांच के लिए विभागीय स्तर पर तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई थी। कमेटी में शामिल तकनीकी अधिकारी भी जांच पूरी नहीं कर सके। भवन विकास निगम के मंडला डिवीजन प्रभारी प्रभारी उपमहाप्रबंधक ललित चौधरी का है। चौधरी पर पुराने आरोपों के साथ-साथ बीते साल ही सीएम राइज स्कूल के भवन निर्माण में गड़बड़ी का आरोप लगा है। उनके द्वारा स्कूल भवन के निर्माण में केंद्र और राज्य सरकार की राशि का गलत तरीके से उपयोग करने और भ्रष्टाचार की शिकायत ईओडब्ल्यू तक पहुंची थी। यह जांच भी अब तक फाइल से बाहर नहीं आई है।

संदेह के घेरे में ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र

लोक निर्माण विभाग की भवन शाखा के एजीएम यानी सहायक महाप्रबंधक राघवेंद्र सिंह किराड़ के विरुद्ध साल 2023 में भ्रष्टाचार की शिकायत लोकायुक्त पुलिस में दर्ज कराई गई थी। उनके अलावा भवन विकास निगम के डीजीए यानी उपमहाप्रबंधक (तकनीक) निशांत पचौरी पर फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी हासिल करने का आरोप लगा है। साल 2024 में उनकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस में दर्ज कराई गई थी।

आपदा प्रबंधन पर जनजातीय छात्रावास में एक दिवसीय कार्यशाला

एनडीआरएफ के प्रशिक्षकों द्वारा सिखाये गये आपदा प्रबंधन के गुर

भोपाल। एनडीआरएफ द्वारा भदभदा स्थित अनुसूचित जाति एवं जनजातीय महाविद्यालयीनबाल छात्रावास में आपदाप्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। प्राकृतिक आपदा के दौरानजीवनरक्षक, प्राथमिक उपचार एवं प्रबंधनपर केन्द्रित कार्यशाला में एनडीआरएफ के द्वारा छात्रों एवंस्टॉफ को आपदा संबंधी विभिन्न पहलूओं पर प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय आपदा राहत दलकी 11वीं बटालियन के निरीक्षकश्री सत्यजीत सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

सहायक आयुक्त अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित इस छात्रावास के छात्रों को एनडीआरएफ के प्रशिक्षकों द्वारा सर्पदंश, सीपीआर देने एवं प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। छात्रों को सीपीआर की प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत बा? एवं भूकंप जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिये मॉकड्रिल के माध्यम से शेडो प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। कार्यशाला के दौरान काउंसलिंग अधिकारी श्री अमित कुमार अरजरिया ने आपातकालीन घटनाओं आपदा की स्थिति में सतर्क और जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने के लिये तैयार करना है। कार्यशाला के समापन पर छात्रावास अधिक्षक श्री संजय गौतम ने एनडीआरएफ टीम और उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

माननीयों की फिर बल्ले बल्ले

विधायकों को दोगुने गृह और वाहन लोन की सुविधा का प्रस्ताव तैयार

भोपाल। मप्र के माननीयों पर फिर सरकारी मेहरबानी होगी। उनकी बल्ले बल्ले होने वाली है। एमपी के विधायकों को दोगुने गृह और वाहन लोन की सुविधा मिलेगी। इसके लिए प्रस्ताव हो गया है। प्रस्ताव को संसदीय कार्य विभाग ने अनुमोदन के लिए भेज दिया है। केवल 04 प्रतिशत पर माननीयों को सुविधा मिलेगी। यह सुविधा 50 लाख के गृह और 30 लाख रुपए तक के वाहन ऋण पर मिलेगी। यह प्रस्ताव अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा।

बता दें कि पहले से लागू इस सुविधा को 15 वीं विधानसभा में बंद किया गया था। वित्तीय संकट को देखते हुए सरकार ने सुविधा बंद करने का निर्णय लिया था। विभायकों की मांग पर सरकार फिर मेहरबान हुई है। विधायकों ने घर और गाड़ी के बढ़ती कीमतों का हवाला देकर ऋण सुविधा दोबारा शुरू करने की मांग की थी। विधानसभा सुविधा समिति इसके लिए पहले ही स्वीकृति दे चुकी है।

घर के लिए 50 लाख और कार के लिए 30 लाख

एमपी के विधायकों को जल्द ही कर्ज लेने की सीमा दोगुनी करने पर फैसला हो सकता है। जिसके बाद विधायक घर के लिए 50 लाख और गाड़ी के लिए 30 लाख रुपए तक का लोन ले सकेंगे। दरअसल, विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति ने विधायकों के लिए लोन की सीमा को डबल करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इसे संसदीय कार्य विभाग को भेजा जाएगा और इसके बाद प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी के बाद लागू किया जा सकता है। वर्तमान में विधायक घर के लिए 25 लाख रुपए और गाड़ी के लिए 15 लाख रुपए तक का लोन ले सकते हैं, लेकिन कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद यह लिमिट बढ ?र सीधा डबल हो जाएगी यानी घर के लिए 50 लाख और गाड़ी के लिए 30 लाख रुपए तक का लोन विधायक ले सकेंगे। यही नहीं, विधायक अगर पुरानी लिमिट यानी 25 लाख और 15 लाख तक का लोन लेंगे तो उन्हें 4 प्रतिशत की दर से ब्याज देना होगा और शेष ब्याज राशि का भुगतान सरकार की ओर से किया जाएगा।

पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायतों का लगा अंबार

पीएचक्यू में कई स्तरों पर हो रहा है शिकायतों का निराकरण

भोपाल। जनता की शिकायतों का निराकरण करने वाली पुलिस के खिलाफ भी शिकायतों का अंबार लगा है। पुलिस के बड़े अधिकारियों के साथ ही पुलिस जवानों के खिलाफ लगातार शिकायतें हो रही है। हालांकि जांच में यह भी तथ्य सामने आ रहा है कि अपनी निजी दुश्मनी निकालने के लिए भी लागे पुलिस को टारगेट कर रहे हैं। हालांकि पुलिसकर्मियों के खिलाफ जितनी शिकायतें पहुंच रही हैं पुलिस मुख्यालय में परीक्षण और जांच कर उनका निराकरण किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, प्रदेश पुलिस के तीन हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों और अफसरों के खिलाफ पुलिस मुख्यालय में शिकायतें पहुंची हैं। यह आंकड़ा पिछले एक साल का हैं। इनमें से लगभग आधी शिकायतों पर पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एक्शन लिया गया। जबकि बाकी शिकायतों में ऐसा कुछ नहीं निकला की उन पर कार्यवाही की जाए। पेंडिंग समेत ढाई हजार शिकायतों का निराकरण हो चुका है, इसके बाद भी अभी 1400 के लगभग शिकायतों की जांच चल रही है। जानकारी के अनुसार, आवश्यक कार्यवाही के लिए पुलिस मुख्यालय शिकायत की अपने स्तर पर जांच करने के बाद संबंधित इकाई को आगे की कार्यवाही या विस्तार से जांच करने के बाद उचित कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया जाता है। जांच में जैसे तथ्य पाए जाते हैं उसके अनुसार आगे की कार्यवाही की जाती है। इसमें कई बार पुलिस कर्मियों की विभागीय जांच भी होती है, कई बार पुलिसकर्मियों पर एफआईआर भी दर्ज हो जाती है। कुछ में उन्हें चेतावनी दे दी जाती है।

ठप पड़ी रजिस्ट्रियां... रद्द हो रहे सौदे... मुसीबत बना नया सम्पदा पोर्टल

अफसरों के फरमान के चलते पंजीयन विभाग भी परेशान, राजस्व का भी हो रहा है रोजाना नुकसान

भोपाल। अभी 1 अप्रैल से बढ़ी हुई गाइडलाइन के साथ भोपाल में बैठे अफसरों ने यह फरमान भी जारी कर दिया कि सम्पदा-2.0 पोर्टल पर ही अब सभी तरह के दस्तावेजों का पंजीयन होगा। जबकि 31 मार्च तक पुराने सम्पदा पोर्टल-1 पर भी आसानी से रजिस्ट्रियां हो रही थी। अभी लगातार सर्वर ठप होने के साथ पोर्टल में कई तकनीकी समस्याएं आ रही है, जिसके चलते रजिस्ट्री करवाने वाले परेशान हो रहे हैं और 8 से 10 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिसके चलते कई जमीनी सौदे भी रद्द हो गए।

अभी 31 मार्च तक दोनों पोर्टल पर रजिस्ट्रियां करवाने की सुविधा भोपाल मुख्यालय ने पंजीयन विभाग को दे रखी थी। उसके बाद अभिभाषकों और ब्रोकरों सहित विभागीय अधिकारियों ने भी मांग की थी कि जब तक नए पोर्टल की तकनीकी समस्याएं दूर नहीं कर ली जाती तब तक सम्पदा पोर्टल-1 पर भी रजिस्ट्रियां जारी रहे।

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: बालेन्द्र गुप्ता।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), **आर.एन.आई.नं. 58842/94**